तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 207 | कोरबा, बुधवार , दिनांक 30 अप्रैल 2025 डाक 01 मई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया...

देश-विदेश
अफजल गुरु की तारीफ करने वालों के खिलाफ दर्ज एफआईआर नहीं होगी रद, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

फीचर पेज
तरबूज खाने के बाद भूल से भी न खाएं ये चीजें, हो सकती हैं समस्याएं

भारत हमला करने वाला है..., पीएम मोदी ने की हाई लेवल बैठक तो यूएन के सामने गिड़गिड़ाए शहबाज शरीफ, हस्तक्षेप की मांग

नईदिल्ली, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

पहलगाम हमले के बाद चौतरफा घिरे पाकिस्तान ने अब भारत पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। आतंकवाद पर लगाम लगाने में अपन विफलता से ध्यान हटाने के लिए, पाकिस्तान के संघीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक बयान जारी कर नया दावा किया है। अताउल्लाह तरार ने दावा करते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है, जो बताती है कि भारत अगले 24-36 घंटे के भीतर पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने की योजना बना रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में तरार ने लिखा, पाकिस्तान के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत पहलगाम घटना में

संलिप्तता के निराधार और मनगढ़ंत आरोपों के बहाने अगले 24-36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का इरादा बना लिया है। पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और इस संकट के दर्द को सही मायने में समझता है। हमने दुनिया में कहीं भी इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में इसकी हमेशा निंदा की है। तरार ने लिखा, एक जिम्मेदार देश होने के नाते, पाकिस्तान ने विशेषज्ञों के एक तटस्थ आयोग द्वारा एक विश्वसनीय, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की पेशकश की, जिसका दिल से स्वागत किया गया। दुर्भाग्य से तर्क के मार्ग पर चलने के बजाय भारत ने स्पष्ट रूप से तर्कहीनता और टकराव के खतरनाक रास्ते पर चलने का फैसला किया है, जिसके विनाशकारी परिणाम होंगे। तो वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने नेशनल असेंबली में कहा कि यह पाकिस्तान के दबाव की वजह से लश्कर की शाखा, प्रतिरोध मंच का नाम पहलगाम पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान से हटाया गया।

उनके इस बयान से एक बार फिर आतंकवादी गुर्गों को पाकिस्तान का मौन समर्थन प्राप्त होने की बात साबित होती है। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से टेलीफोन पर बातचीत की और पहलगाम घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। मैंने आतंकवाद के सभी रूपों की पाकिस्तान की निंदा की पुष्टि की, निराधार भारतीय आरोपों को खारिज किया और पहलगाम घटना की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। पाकिस्तान शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन चुनौती मिलने पर वह पूरी ताकत से अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा।

2000 करोड़ का घोटाला

अब नई मुसीबत में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन, एसीबी ने दोनों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

नईदिल्ली, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली के सरकारी स्कूलों के निर्माण में भ्रष्टाचार करने का मामला दर्ज किया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के शासनकाल के दौरान 12,748 कक्षाओं/भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये क घोटाला सामने आया था। आम आदमी पार्टी की सरकार में मनीष सिसोदिया डिप्टी सीएम व शिक्षा मंत्री और सत्येंद्र जैन पीडब्ल्यूडी मंत्री थे।

वाईएस शर्मिला ने घर में नजरबंद किए जाने का दावा किया, सीएम नायडू से पूछा सवाल

विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को घर में ही नजरबंद कर लिया गया है। उन्होंने खुद बुधवार को दावा किया कि राज्य सरकार ने उन्हें घर में नजरबंद कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से इसके कारण के बारे में भी पूछा।

पीएम मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और गृह मंत्री अमित शाह ने दी अक्षय तृतीया की बधाई

नईदिल्ली। देशभर में आज अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को अक्षय तृतीया की बधाई दी। साथ ही उन्होंने सफलता और संपन्नता की कामना भी की। पीएम मोदी ने एक्स अकाउंट पर लिखा, आप सभी को अक्षय तृतीया की अनंत शुभकामनाएं। मानवता को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए सफलता, संपन्नता और प्रसन्नता लेकर आए, जो विकसित भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करे। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अक्षय तृतीया की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रकृति और संस्कृति के संगम के प्रतीक पर्व, अक्षय तृतीया की अनंत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व सभी के जीवन में अक्षय पुण्य, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आए, यह कामना करता हूं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, सर्व शुभता एवं कल्याणकारी पावन पर्व अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएं।

पाकिस्तान ने बारामूला, कुपवाड़ा, अखनूर में बिना उकसावे की गोलीबारी की

जम्मू 30 अप्रैल। पाकिस्तानी सैनिकों ने लगातार पांचवीं रात जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिससे उल्लंघन का दायरा जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर तक फैल गया, एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह लगातार पांचवीं रात थी जब पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की।

सिंधु जल संधि को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट में गिड़गिड़ाएगा पाकिस्तान

नई दिल्ली 30 अप्रैल। साल 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि समझौता हुआ था। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने कड़ा एक्शन लेते हुए सिंधु जल संधि को खत्म करने का फैसला लिया है, जिसे लेकर पाकिस्तान बौखला गया है। सिंधु जल संधि को लेकर भारत द्वारा लिए गए एक्शन में कुछ राहत पाने के लिए पाकिस्तान इंटरनेशनल कोर्ट जाने का प्लान बना रहा है। साल 1965, 1971 और 1999 में दोनों देशों के बीच हुए तीन युद्धों के बाद भी यह संधि कायम रही थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत से इसे खत्म करने का फैसला लिया है।

चारधाम यात्रा का श्रीगणेश, तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए देवभूमि तैयार

देहरादून। उत्तराखंड हिमालय की चारधाम यात्रा में आपका स्वागत है। यात्रा आज अक्षय तृतीया पर्व पर उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू हो रही है। दो मई को रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे और चार मई को चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा पूर्णता को प्राप्त कर लेगी। यात्रा के लिए यमुनोत्री व गंगोत्री धाम की

फूलों से भव्य सजावट की गई है और पड़ावों पर खासी चहल-पहल है।

इससे यात्रा रूट के होटल व अन्य व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए हैं। उत्तरकाशी व बड़कोट से लेकर गंगोत्री-यमुनोत्री धाम तक गंगा-यमुना की जय-जयकार गूंज रही है। कपाट खुलने के मौके पर यमुनोत्री में करीब 7,000 और गंगोत्री में करीब 5,000 तीर्थ यात्रियों के मौजूद रहने की उम्मीद है। चारों धाम के लिए अब तक 22,11,109 तीर्थयात्री पंजीकरण करा चुके हैं।

विशाखापत्तनम में हादसा: भारी बारिश से मिट्टी धंसी 20 फीट लंबी दीवार गिरने से सात लोगों की मौत

विशाखापत्तनम, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

आंध्र प्रदेश में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां विशाखापत्तनम के पास सिंहाचलम में वराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर के नजदीक एक दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दरअसल, इलाके में भारी बारिश हुई थी। इस वजह से यह दीवार काफी गीली थी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्राबाबू नायडू ने घटना पर दुख जताया है और इलाके के कलेटर-एसपी से बात कर पीड़ितों की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। राज्य की गृह मंत्री वी अनिता ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि मंदिर की दीवार गिरने की वजह इलाके में भारी बारिश के कारण मिट्टी का धंसना हो सकता है। दीवार सिंहगिरी बस स्टैंड से घाट रोड पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास 300 रुपये के टिकट की कतार में गिरी। अनिता ने संवाददाताओं को बताया कि रात भर हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मिट्टी ढीली हो गई, जिससे दीवार गिर गई। टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से स्थिति की समीक्षा करने के दौरान मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये और घायलों को 3-3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा प्रत्येक पीड़ित के परिवार के एक सदस्य को बंदोबस्ती विभाग के तहत मंदिरों में आउटसोर्सिंग की नौकरी प्रदान की जाएगी।

उन्होंने तीन सदस्यीय समिति द्वारा घटना की जांच के भी आदेश दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएम मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

आईएएस संजीव हंस की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने रामविलास पासवान के समय घूसखोरी करने का लगाया आरोप

पटना, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग के मामले में जेल में बंद आईएएस अधिकारी संजीव हंस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजीव हंस के खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के कार्यकाल में उनके निजी सचिव के रूप में उपभोक्ता निवारण आयोग से अनुकूल फैसला दिलाने के एवज में मुंबई की एक फर्म से एक करोड़ की रिश्वत लेने के आरोप लगाए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने अभियोजन शिकायत में यह आरोप लगाया है। आरोप संजीव हंस के मित्र विपुल बंसल के स्वीकारनामे के आधार पर लगाया गया है।

बंसल उस वक्त संबंधित फर्म में कार्यरत थे। रिश्वत की रकम संजीव हंस के एक परिचित शादाद खान के माध्यम से भुगतान की गई थी। बता दें कि एनसीडीआरसी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के तहत काम करता है। रामविलास पासवान 2014 से 2019 के बीच इस विभाग को संभाल रहे थे। हंस पासवान के निजी सचिव थे। हालांकि, ईडी इस मामले में आधिकारिक तौर पर कुछ भी बोलने से बच रही है।

आंबेडकर की तस्वीर मामले में मेघवाल ने अखिलेश को घेरा, बोले- भ्रम में जी रहे हैं सपा प्रमुख

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ अपनी तस्वीर साझा करने को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पोस्टर में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी और अखिलेश यादव का मिला चेहरा दिखाना उनका घोर अपमान है। मेघवाल ने आगे कहा कि अखिलेश भूल रहे हैं कि बाबा साहब को 1952 और 1953 में हराने में कांग्रेस की ही भूमिका थी, और आज वे उसी कांग्रेस के साथ होकर ऐसा निंदनीय कृत्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के ये कथित समर्थक भूल जाते हैं कि राजीव गांधी ने लोकसभा में ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया। समाजवादी पार्टी के पोस्टर में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी और अखिलेश यादव का मिला चेहरा दिखाना उनका घोर अपमान है। अखिलेश भूल रहे हैं कि बाबा साहब को 1952 और 1953 में हराने में कांग्रेस की ही भूमिका थी, और आज वे उसी कांग्रेस के साथ होकर ऐसा निंदनीय कृत्य कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मेघवाल ने आगे कहा कि अगर अखिलेश यादव को लगता है कि यह तस्वीर उन्हें दलितों का वोट दिलाएगी तो वे भ्रम में हैं।

अल्लाह ने पाकिस्तानी सेना को ताकत दी है, घबराने की जरूरत नहीं, नवाज शरीफ की बेटी मरियम की गीदड़ भभकी

लाहौर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग की थी। पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान के नेताओं की तरफ से लगातार बेवजह की बयानबाजी की जा रही है और गीदड़भभकी दी जा रही है।इस बीच पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अपना बयान जारी कर कहा है कि कोई भी

पाकिस्तान पर इतनी आसानी से हमला नहीं कर सकता है, क्योंकि उसके पास परमाणु शक्ति है। मरियम ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कोई भी बयान जारी नहीं किया था। उन्होंने पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर बयान दिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ PML-N के प्रमुख नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव मंडरा रहा है।

लेकिन घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अल्लाह ने पाकिस्तानी सेना को देश की रक्ष की ताकत दी है। उन्होंने कहा, कोई भी पाकिस्तान पर इतनी आसानी से हमला नहीं कर सकता, क्योंकि हम एक परमाणु शक्ति हैं। चाहे हमारी कोई भी राजनीतिक संबद्धता क्यों न हो, हमें किसी भी बाहरी आक्रमण के खिलाफ सशस्त्र बलों के पीछे स्टील की दीवार की तरह एकजुट रहना चाहिए।

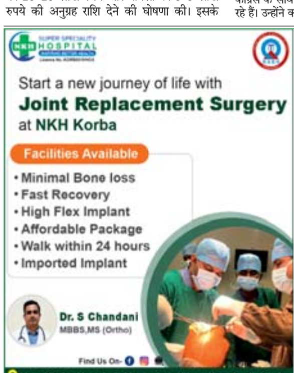

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

समाधान शिविर की सूचना जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को अवश्य दें : कलेक्टर

युक्ति युक्तकरण अंतर्गत विद्यालयों और अतिशेष शिक्षकों के युक्तिकरण के दिए निर्देश

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। उन्होंने टीएल के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुशासन तिहार अंतर्गत 5 मई से आयोजित होने वाले समाधान शिविरों का आयोजन की तैयारी की समीक्षा कर निर्देशित किया कि शिविर का आयोजन करते समय यह ध्यान रखा जाए कि आसपास के ग्रामीण और आवेदन देने वाले आवेदक आसानी से पहुँच जाएं। उन्होंने शिविर के सम्बंध में व्यापक प्रचार प्रसार करने और सभी को सूचना देने के निर्देश देते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शिविरों की जानकारी प्रदान करने के निर्देश एसडीएम को दिए। उन्होंने शिविर हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण करने तथा आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी से इस सत्र स्कूल में जाने वाले विद्यार्थियों का जाति प्रमाणपत्र शीघ्र बनाने और 16 जून को विद्यालय प्रारंभ होने के साथ ही वितरण के निर्देश एसडीएम को दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने के साथ ही संबंधित आवेदकों को शिविर के माध्यम से उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही के संबंध में सूचित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वन अधिकार पत्र अंतर्गत आवेदन के पात्र और अपात्र की सूची अलग करके पात्र ग्रामीणों को लाभान्वित करने तथा इसके लिए ग्राम सभा का आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य शासन द्वारा विद्यालय और अतिशेष शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण के सम्बंध में जारी निर्देशों के तहत सूची बनाकर कार्यवाही के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने विद्यालय में अतिशेष शिक्षकों की सूची बनाकर उन्हे कम शिक्षक वाले विद्यालय में युक्तिकरण के निर्देश दिए। उन्होंने भू अर्जन के प्रकरणों के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्ट्रेट में सीसीटीवी लगाने के निर्देश देते हुए अशोक वाटिका के एमओयू, एलुमिना पार्क, अप्पू गार्डन के सम्बंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने शिक्षा विभाग अंतर्गत अनुपस्थित शिक्षकों की फ़ाइल पुटअप करने, राजस्व अंतर्गत विभागीय जाँच की कार्यवाही पूर्ण कर फ़ाइल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति लाने और राजस्व अंतर्गत सीमांकन, बटांकन सहित अन्य प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण के कार्यों की नियमित समीक्षा और प्रगति के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए। कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाणपत्र के कार्यों में प्रगति लाने,आरबीसी 6-4 और सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावितों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कर समय पर मुआवजा वितरण के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को दी जाने वाली राशि का हिसाब प्रस्तुत करने,आंगनबाड़ी में बिजली कनेक्शन लगाने, बलसेन्धा से माली कछार तक विद्युतीकरण के सम्बंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने वृद्धाश्रम और दिव्यांग विद्यालय के संचालन और उपस्थिति की जानकारी लेते हुए दिव्यांग विद्यालय में रहने के इच्छुक विद्यार्थियों को वहीं रखकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गर्ल्स कॉलेज हॉस्टल को इस शिक्षा सत्र से प्रारंभ करने, नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण और सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बॉउंड्रीवाल निर्माण के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन अंतर्गत कार्यों की जानकारी ली और दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि एक से अधिक राशन दुकान संचालित करने वाले दुकानों की सूची उपलब्ध कराते हुए सुनिश्चित करे कि एक व्यक्ति या समूह एक ही दुकान का संचालन करें। उन्होंने कल तक जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए एसडीएम को विज्ञापन जारी करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में रेलवे द्वारा प्रस्तावित नए रेल लाइन कार्य के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान रेल्वे से संबंधित अधिकारियों, निर्माण एजेंसियों और सार्वजनिक उपक्रमों से संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से आवश्यक चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ कटघोरा श्री कुमार निशांत, निगमायुक्त श्री आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग सहित सभी अधिकारी उपस्थित थे।

पांचवीं एवं आठवी बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी

कोरबा । शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी शासकीय, अशासकीय विद्यालय अंतर्गत कक्षा पांचवीं एवं आठवी बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत जिले में पांचवी कक्षा में दर्ज बच्चों की कुल संख्या 19,373 है। परीक्षा में सम्मिलित बच्चों की कुल संख्या 19,065 एवं उत्तीर्ण बच्चों की कुल संख्या 18518 है। पांचवी के विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 97.13 रहा। इसी प्रकार आठवीं कक्षा में दर्ज बच्चों की कुल संख्या 18990 है। परीक्षा में सम्मिलित बच्चों की कुल संख्या 17998 एवं उत्तीर्ण बच्चों की कुल संख्या 16821 है। आठवीं के विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.46 रहा।

खुशी है कि हमारा भी पक्का मकान बन गया

गरीब धन साय पीएम आवास पाकर है खुश

कोरबा । लम्बे समय तक मजदूरी कर कुछ रुपए जोड़कर किसी तरह रोजी रोटी की व्यवस्था कर जीवन यापन करने वाले धन साय ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उनका खुद का पक्का आवास बन पाएगा। अब तक की जिंदगी को गरीबी में जीते आये धन साय को लगता था कि हर बार की तरह इस बार भी उन्हें बारिश में मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। उन्हें बारिश में टपकते हुए छत के नीचे रहना पड़ेगा। धनसाय की इतनी अधिक आमदनी भी नहीं थी कि वह अपनी झोपड़ी की जगह कोई पक्का मकान बना सके। बीते कई दशकों से मुसीबतों का सामना करते आये धन साय की किस्मत तब बदल गई जब उनका नाम भी प्रधानमंत्री आवास योजना में आया। पीएम आवास में नाम आने के बाद उन्होंने आवेदन की सभी प्रक्रिया पूरी की और उन्हें किस्तों में राशि मिलती गई। आखिरकार धन साय का पक्का मकान अब पूरा होने के कगार पर है..जल्दी ही उनका मकान पूर्ण हो जाएगा और वह भी अपने परिवार के साथ पक्के मकान में रह पाएगा।

पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक अंतर्गत सरभोंका ग्राम पंचायत के निवासी धन से उराँव ने बताया कि वह अपनी पत्नी बहालो बाई और बच्चों के साथ निवास करते हैं। उन्होंने बताया कि गाँव में किसी तरह मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। उनकी आमदनी इतनी अधिक नहीं है कि वह पक्का मकान बनवा लें। उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना में नाम आने के बाद उन्हें पहले तो लगता था कि घर कैसे बनेगा। धीरे-धीरे राशि किस्तों में मिलती गई तो उनका मकान भी बनने लगा। अब मकान का काम अंतिम चरण में है, जल्दी है इसे पूरा कर इसमें रहने लगेगा। धन साय ने बताया कि गरीबी की वजह से वह जिंदगी भर झोपड़ी में रहता आया है। झोपड़ी में बारिश के दिनों में अत्याधिक परेशानी उठानी पड़ती है। बार-बार खपरो को ठीक करना पड़ता है और पानी टपकने से फर्श भी गीला होने लगता है। इस दौरान घर के कपड़े और अन्य सामान भी गीले होते रहते हैं। धनसाय ने कहा कि इस बारिश से पहले वह परिवार के साथ अपने नए पक्के मकान में रहने लगेगा। उन्होंने पीएम आवास जैसी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हम सभी गरीब परिवारों की चिंता की है, इसी वजह से हमारा भी पक्के घर में रहने का सपना पूरा हो रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की

भीषण गर्मी में लू से बचाव हेतु आवश्यक उपाय अपनाने हेतु किया गया आग्रह

कोरबा । ग्रीष्म कालीन मौसम प्रारंभ होने पर तथा अधिक गर्मी पड़ने से शुष्क वातावरण में लू (तापाघात) की संभावना अधिक होती है। जो घातक या जानलेवा हो सकती है। जिले में बढ़ रही गर्मी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू से बचाव हेतु आवश्यक उपाय अपनाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी ने बताया कि जिले में लगातार मौसम परिवर्तन के बाद तेज धूप एवं गर्मी प्रारंभ हो गया है। जिसके कारण लू लगने की संभावना बढ़ गई है। सूर्य की तेज गर्मी के दुष्प्रभाव से शरीर के तापमान में विपरीत प्रभाव पड़ता है जिससे शरीर में पानी और खनिज लवण नमक की कमी हो जाती है इसे लू लगना या हीट-स्ट्रोक कहा जाता है। वर्तमान में घर से बाहर जाकर ऑफिस वर्क करने वाले, खेती कार्य मे लगे आमजन तथा बाजार में खरीददारी आदि कार्य करने वाले व्यक्ति पर्याप्त मात्रा में पानी एवं पेय पदार्थो का सेवन नहीं कर पाते हैं। इस कारण वे निर्जलीकरण के शिकार हो जाते हैं, जिसका समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीज की हालत गंभीर हो जाती है।

आम लोगों के द्वारा आवश्यक उपाय अपनाकर लू (तापाघात) से बचाव किया जा सकता है। जिसके अंतर्गत गर्मी के दिनों में हमेशा घर से बाहर जाते समय सफेद, सूती या हल्के रंग के कपड़े पहनना, भोजन करके तथा पानी पीकर ही घर से बाहर निकलना, घर से बाहर जाते समय गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को कपड़े/ गमछे से ढककर ही निकलना, छतरी एवं रंगीन चश्मे का प्रयोग करना, गर्मी के दिनों में अधिक मात्रा में पानी पिना तथा ज्यादातर पेय पदार्थों का सेवन करना सहित अन्य उपाय अपना सकते है। इसी प्रकार बाहर जाते समय पानी साथ रखें, धूप में बेवजह बाहर जाने से बचें, बच्चों बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें, साथ ही उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें एवं सुपाच्य भोजन एवं तरल पदार्थों का सेवन कराएं। गर्मी के दिनों में तीव्र धूप को घर के अंदर आने से रोकें तथा जहाँ तक संभव हो अधिक से अधिक समय तक धूप में रहकर घर व्यायाम तथा मेहनत का काम ना करें, धूप में नंगे पांव ना चलें। इन सावधानियों को अपनाकर स्वयं को लू (तापाघात) से बचा जा सकता है। लू का शिकार होने पर व्यक्ति में सिर दर्द, बुखार, उल्टी एवं अत्यधिक पसीना आना, बेहोशी, चक्कर आना, सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन तथा त्वचा लाल एवं सूखी होना जैसे अन्य लक्षण शामिल है। (तापाघात) होने पर रोगी को छायादार स्थान पर कपड़े गीले कर लिटायें एवं हवा करें। रोगी को बेहोशी की स्थिती में कोई भी भोज्य/पेय पदार्थ का सेवन नहीं कराएं एवं उसे तत्काल चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराएं। रोगी के होश में आने की स्थिति में उसे ठंडे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पना आदि पेय पदार्थों का सेवन कराएं।

रोगी के शरीर के तापमान को कम करने के लिए उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखें, प्रभावित व्यक्ति को शीघ्र ही नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र उपचार के लिए ले जाए। सीएमएचओ डॉ. केशरी ने बताया कि जिले के मेडिकल कॉलेज, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों में लू (तापघात) से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां एवं ओ. आर. एस. की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत तथा सीएमएचओ ने जिले के नागरिकों से गर्मी के मौसम में लू (तापाघात) से बचाव हेतु आवश्यक उपाय को अपनाने का आग्रह किया है। जिससे स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

एसईसीएल कर रहा कोयला की गुणवत्ता में सुधार दिल्ली में हुई सराहना

कोरबा। सतर्कता आयोग, नई दिल्ली द्वारा हाल ही में कोयला उद्योग की सतर्कता संबंधी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा कोयला गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु किए गए प्रयासों की विशेष सराहना की गई।

बैठक के दौरान एसईसीएल सतर्कता विभाग की ओर से प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि कंपनी ने कोल क्वालिटी सुधार हेतु कई सुधारात्मक एवं नवाचारी पहलें अपनाई हैं, जिनके परिणामस्वरूप ग्रेड कन्फर्मेशन का स्तर 60 से बढ़कर 80 तक पहुँच गया है। सतर्कता, गुणवत्ता नियंत्रण विभाग तथा विभिन्न परिचालन क्षेत्रों के संयुक्त प्रयासों के तहत, सैंपलिंग प्रक्रिया को सख्त बनाया गया है, तकनीकी निरीक्षण में उत्तरदायित्व तय किया गया है और निगरानी प्रणाली में पारदर्शिता लाई गई है। इन कदमों से कोयला गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।केंद्रीय सतर्कता आयोग ने एसईसीएल द्वारा अपनाई गई इन रणनीतियों को अन्य कोयला कंपनियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण बताया। आयोग ने सुझाव दिया कि अन्य कंपनियों को भी इसी प्रकार की पहल अपनाकर अपने कार्यप्रणाली में सुधार लाना चाहिए।

बैठक में कोयला चोरी की रोकथाम, कंपनियों की भूमि एवं आवासों पर अवैध कब्जा, भारी एचईएमएम मशीनों के रखरखाव, पर्यावरणीय अनुपालन, कोयला स्टॉक की सटीक गणना, पीएफ/पेंशन सेवाओं का डिजिटलीकरण तथा तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।आयोग ने इन सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता, डिजिटल निगरानी, समयबद्ध रिपोर्टिंग और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी कोल कंपनियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।इस बैठक में केंद्रीय सतर्कता आयोग, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति रही।

सप्तदेव मंदिर में मंगल पाठ का आयोजन

कोरबा। शहर स्थित श्री सप्तदेव मंदिर में बैसाख कृष्ण पक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर मां राणीसती दादी जी का भव्य संगीतमय मंगलपाठ बड़े श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 27 अप्रैल 2025, रविवार को आयोजित इस मंगलपाठ में कोरबा की सैकड़ों मंगलपाठी बहनों ने पारंपरिक परिधानों में सजधज कर भाग लिया और भक्तिभाव से वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

भक्ति में डूबी संगीतमय संध्या

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर सायं 4:00 बजे हुई, जहां श्री राणीसती दादी जी का भव्य श्रृंगार कर उन्हें सुगंधित पुष्पों, वस्त्रों और आभूषणों से अलंकृत किया गया। तत्पश्चात, श्री शुभम गोयल एंड पार्टी द्वारा राणीसती दादी चरित मानस का संगीतमय मंगलपाठ प्रस्तुत किया गया।

इनकी मधुर वाणी और भावपूर्ण गायन शैली ने सभी को भक्ति भाव में डुबो दिया। भक्ति के इस अद्भुत वातावरण में महिलाएं नृत्य करने लगीं, तालियों की गूंज के साथ पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। बहनों ने एकरूपता से नथ, चूड़ा, चुनरी जैसे मंगल परिधान धारण कर कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।

भोग व प्रसाद वितरण

सायं 6: 00 बजे मंगलपाठ के समापन पर भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। यह प्रसाद न केवल शारीरिक तृप्ति का माध्यम बना, बल्कि भक्तों की आत्मा को भी शांति और संतोष प्रदान करने वाला रहा।

देशप्रेम का भावपूर्ण संदेश

कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने पहलगांव (जम्मू-कश्मीर) में हाल ही में हुई आतंकवादी घटना में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री सप्तदेव मंदिर महिला मंडल समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंडल समिति, एवं छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन की महिला सदस्यों ने मौन धारण कर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और इस क्रूर व अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा की।श्री सप्तदेव मंदिर में आयोजित यह मंगलपाठ न केवल धार्मिक आयोजन था, बल्कि सांस्कृतिक एकता, सामाजिक जिम्मेदारी और देशभक्ति का प्रतीक भी बना। भक्ति, सेवा और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत इस कार्यक्रम ने कोरबा शहर की आस्था और एकजुटता को एक नई पहचान दी।

तैराकी की विभिन्न कलाओं एवं बारीकियों से पारंगत हो रहे विद्यार्थी

कोरबा। तैरने के कई लाभ होते हैं, जिसमें वजन कम करना, मांसपेशियों को टोन करना, हड्डियों को मजबूत बनाना, शरीर की ताकत, ऊर्जा को बढ़ाना आदि शामिल है. स्विमिंग एक तरह का एरोबिक एक्सरसाइज है, जो हार्ट को ताकत देता है, ब्लड को पम्प करने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। रोज आधे घंटे स्विमिंग करने पर आप हर तरह के तनाव और निराशा से दूर रह सकती हैं।

इंडस पब्लिक स्कूल दीपका में संचालित समर कैंप में बच्चे पूरे लगन एवं मस्ती के साथ विशेष प्रशिक्षक के द्वारा तैराकी के विभिन्न गुर सीख रहे हैं। विशेष प्रशिक्षक के द्वारा बच्चों को तैरने के तौर तरीके एवं विभिन्न स्विमिंग स्टाइल की भी ट्रेनिंग दी जा रही है। बच्चों में बटरफ्लाई स्विमिंग का भी खूब आनंद लिया। रोज नई-नई स्विमिंग स्टाइल से बच्चों को परिचित कराया जा रहा है। स्विमिंग पूल के शीतल एवं ठंडे तथा स्वच्छ जल में उतरते ही बच्चों के होठों में एक निश्चल मुस्कान परिलक्षित होती है। एक दूसरे पर पानी छिड़कते हुए एवं अठखेलियां करते हुए बच्चे बड़े उत्साहित नजर आते हैं । यह विहंगम दृश्य प्रतिदिन इंडस पब्लिक स्कूल दीपका के प्रांगण में नव निर्मित स्विमिंग पूल में देखते ही बनता है। गौरतलब है कि समर कैंप आगामी दिनों तक अनवरत जारी रहेगा ।यह समर कैंप ओपन फॉर ऑल है । इसमें किसी भी क्षेत्र के, किसी भी विद्यालय के ,कोई भी विद्यार्थी जो कक्षा छठवीं से आठवीं के मध्य अध्यनरत हैं हिस्सा ले सकते हैं । नाम मात्र के शुल्क में यहां विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में पारंगत किया जा रहा है ।जो अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है ।इंडस पब्लिक स्कूल अपनी नित नई आकर्षक एवं कारगर गतिविधियों के लिए जाना जाता है ।यहां पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों से बच्चों को पारंगत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है ।वर्तमान में संचालित समर कैंप में स्विमिंग एक्टिविटी के अलावा भी विभिन्न एक्टिविटीज के माध्यम से बच्चों को प्रशिक्षित एवं पारंगत करने का कार्य प्रशिक्षक कर रहे हैं।

इंडस पब्लिक स्कूल दीपका हर वर्ष समर कैंप संचालित कर एक नई मिसाल कायम करता है , जिसमें आस - पास के विद्यार्थी प्रशिक्षित एवं पारंगत होते हैं। समर कैंप में विद्यार्थियों को

विभिन्न प्रकार की तैराकी शैलियों और स्ट्रोक से प्रशिक्षित एवं पारंगत किया जा रहे हैं जिसमें फ्रीस्टाइल स्ट्रोक, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई स्ट्रोक और साइडस्ट्रोक शामिल हैं। इंडस पब्लिक स्कूल दीपका के प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता ने कहा कि चाहे आप प्रतिस्पर्धा, व्यायाम या सुरक्षा के लिए तैरना सीखना चाहते हों, कई अलग-अलग तैराकी स्ट्रोक सीखना सबसे अच्छा है क्योंकि प्रत्येक अलग-अलग स्थितियों में अलग-अलग फायदे प्रदान करता है। प्रतिस्पर्धा के लिए, बहुमुखी प्रतिभा तैराकों को कई स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देगी। व्यायाम के लिए, अलग-अलग स्ट्रोक के लिए अलग-अलग मांसपेशियों का उपयोग किया जाता है, इसलिए सभी स्ट्रोक सीखना अधिक व्यापक कसरत प्रदान करता है। सुरक्षा के लिए, किसी विशेष स्थिति के खतरों के आधार पर विभिन्न स्ट्रोक का उपयोग किया जा सकता है। आज हम तैराकी के क्षेत्र में भी अपना करियर बनाकर परिवार समाज और राष्ट्र का नाम रोशन कर सकते हैं।तैराकी में भी एक सुनहरा भविष्य समाहित है। तैराकी आपकी हृदय गति को तेज़ रखता है लेकिन आपके शरीर से कुछ प्रभाव तनाव को हटा देता है ।सहनशक्ति, मांसपेशियों की ताकत और हृदय संबंधी फिटनेस बनाता है ।यह आपको स्वस्थ वजन , स्वस्थ हृदय और फेफड़ों को बनाए रखने में मदद करता है मांसपेशियों को टोन करता है और ताकत बनाता है। प्रतिदिन तैराकी करने से हम फिट बार तंदुरुस्त रहते हैं वह हमारे चेहरे में एक अलग चमक रहता है। तेरा की करने से हम शरीर और मन दोनों ही तरीकों से स्वस्थ होते हैं। तैराकी हमारे शरीर के साथ - साथ मन को भी शीतल करता हैं।

कुसमुंडा खदान के लिए दूर होगी जमीन की समस्या

कोरबा। लंबे समय से जमीन की कमी से जूझ रही कुसमुंडा कोल परियोजना में अब उम्मीद की नई किरण दिखाई दी है। पाली ग्राम सहित आसपास के क्षेत्रों में कार्यरत 115 कामगारों को कार्य से हटाए जाने के बाद उत्पन्न संकट का समाधान अब निकलता नजर आ रहा है। ठेका कंपनी नीलकंठ, पुलिस, प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हुई लगातार बैठकों के बाद आखिरकार सकारात्मक सहमति बनी है।

सर्वमंगला चौकी प्रभारी वैभव तिवारी की उपस्थिति में आयोजित बैठक में नीलकंठ कंपनी के जीएम अश्वनी सिंह और एचआर प्रमुख मुकेश सिंह ने ग्रामीणों से खुलकर संवाद किया। अश्वनी सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोयला उत्पादन माइनिंग क्षेत्र में जमीन पर ही आधारित है। यदि जमीन नहीं होगी तो न तो काम आगे बढ़ेगा, न मशीनें चलेंगी और न ही कर्मचारियों को वेतन मिल पाएगा। लेकिन अब जब ग्रामीण एकजुट होकर जमीन देने को तैयार हैं, तो कंपनी सभी 115 निकाले गए कर्मचारियों को पुन: काम पर रखेगी।

श्रम सेवा भूविस्थापित कामगार संगठन ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे भूविस्थापितों की जीत बताया। संगठन ने पुनर्वास, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं की अपनी मांगें भी दोहराईं। ग्रामीणों ने नीलकंठ कंपनी के अधिकारियों की सराहना की और जयकारे लगाए।

इस निर्णय के बाद क्षेत्र में प्रसन्नता का माहौल है और अब उम्मीद की जा रही है कि खदान में कार्य फिर से सुचारू रूप से प्रारंभ होगा।

एनटीपीसी-कोरबा और नगर निगम कोरबा के बीच तृतीयक सीवेज जल शोधन संयंत्र की स्थापना के लिए एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

कोरबा । सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनटीपीसी के द्वारा कोरबा-पश्चिम दर्री क्षेत्र के जमनीपाली में स्थापित एवं संचालित ताप विद्युत संयंत्र प्रबंधन शीर्षजनो, कोरबा स्वायत संस्थान नगर पालिक निगम के वरिष्ठ अधिकारियो एवं नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियो की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय समझौता ज्ञापन में संयुक्त हस्ताक्षर कर निस्पादित किया गया। यह समझौता एनटीपीसी कोरबा और नगर निगम कोरबा के बीच शहर में एक तृतीयक सीवेज जल शोधन संयंत्र की स्थापना हेतु स्मृति पत्र हस्ताक्षारित किया गया। यह समझौता ज्ञापन कोरबा के लिये स्थायी जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

इस उन्नत शोधन संयंत्र की स्थापना के लिए एनटीपीसी ने 111 करोड़ की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे शुद्ध किए गए सीवेज जल का उपयोग एनटीपीसी-कोरबा प्लांट में औद्योगिक कार्यों के लिए किया जाएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी शहर द्वारा सीवेज जल के पुन- उपयोग की दिशा में उठाया गया एक अग्रणी कदम है।

इस परियोजना से पहले भी, एनटीपीसी-कोरबा द्वारा ?14 करोड़ से अधिक की राशि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना के लिए प्रदान की जा चुकी है, जो समुदाय के विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस आयोजित एमओयू हस्ताक्षर समारोह में कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, कोरबा नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय(आईएएस) तथा नगर निगम कोरबा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी की ओर से कार्यकारी निदेशक (ईडी) राजीव खन्ना, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शशि शेखर, अपर महाप्रबंधक (टीएस) मनोज कुमार राजक, उप महाप्रबंधक (पीएंडएस) शैलेन्द्र यादव, उप महाप्रबंधक (एफईएस) जीवराज जाट, तथा वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर) शशांक छाजेड़ आदि उपस्थित रहे।

एनटीपीसी और नगर निगम कोरबा के बीच यह सहयोग जिम्मेदार जल उपयोग की दिशा में एक मानक स्थापित करता है और क्षेत्र में जल संरक्षण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद जताई जा रही है।

अतिक्रमण हटाने नोटिस का भी नहीं हुआ कोई असर

जांजगीर-चांपा। नहरिया बाबा मंदिर मार्ग में नहर किनारे नाला न द्वारा करीब 30 से अधिक लोगों को - नोटिस जारी करते हुए अतिक्रमण हटाने कहा था। लेकिन नोटिस जारी हुए करीब एक माह का समय होने - वाला है, नोटिस का कोई असर होता नजर नहीं आ रहा है। अभी भी अतिक्रमण लोगों ने नहीं हटाया है। इधर नगरपालिका के द्वारा जल्द से पं जल्द निर्माण शुरू होने का दावा न किया जा रहा है। हालांकि ठेका कंपनी के द्वारा ले-आउट और लेबलिंग का काम पूरा होने के बाद क साफ-सफाई व अन्य कार्य जरूर शुरू न करा दिए हैं लेकिन निर्माण का कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। क्योंकि बिना अतिक्रमण हटाए नाला का निर्माण होना संभव ही नहीं है।

गौरतलब है कि बीटीआई चौक से नहरिया बाबा मंदिर तक नहर के किनारे नाला का निर्माण कार्य कराना जाना है। नगरपालिका के द्वारा 77 लाख रुपए की लागत से इस नाला का निर्माण कराया जाएगा। लेकिन इस कार्य में सबसे बड़ी बाधा अतिक्रमण की है। अधिकांश स्थान पर जहां नाला का निर्माण होना है, वहां पर अतिक्रमण हो चुका है। लोगों ने अहाता, घर-मकान और दुकान का निर्माण करा लिया गया है।

ऐसे में निर्माण को लेकर नगरपालिका के द्वारा पिछले माह मार्च माह के अंतिम सप्ताह में करीब 30 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण को हटाने कहा गया था। साथ ही अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई करने की बात कही गई थी। लेकिन अतिक्रमण हटाने को लेकर दिया गया अल्टीमेटम का समय खत्म हो चुका है। लेकिन एकाध लोगों ने छोड़कर अब तक कब्जा नहीं छोड़ा है।

इस संबंध में सीएमओ प्रहलाद पांडे का कहना है कि नाला का निर्माण होने से शहरवासियों को भी सुविधा होगी। जलजमाव की जो समस्या बारिश के दौरान बनती है, उससे निजात मिलेगी। इसके लिए लोगों को भी स्वयं से जागरूक होना चाहिए। बीटीआई चौक से नहरिया बाबा मंदिर तक नहर किनारे नाला का निर्माण होना है। इसमें कुछ स्थानों पर अतिक्रमण हुआ है। जिन्हें हटाने के लिए भवन मालिकों को नोटिस देकर मोहलत दी गई है। अगर इसके बावजूद भी स्वयं से अतिक्रमण नहीं हटा रहे हैं तो फिर जिला प्रशासन के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। नाला का निर्माण प्राथमिकता के साथ होगा।

सहायक शिक्षक समग्र संघ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

जांजगीर । छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन जांजगीर द्वारा रविंद्र राठौर जिला अध्यक्ष के अगुवाई में जिला स्तरीय बैठक हुई। जिसमें जिला के प्रभावित शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ जिला के पदाधिकारी और ग्रुप के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कहा कि युक्तिकरण का विरोध नहीं लेकिन नियम बहुत गलत है। सरकार सही नियम से युक्तिकरण करें। बता दें की वर्तमान में जो युक्ति युक्तकरण के नियम जारी हुए है, यह पूर्व में जारी पत्र के नियमानुसार है। जिसका प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों ने एक स्वर में विरोध किया था और दबाव के चलते उसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था।

बस एक पत्र नया प्रेषित किया गया है कि प्राथमिक विद्यालय में इसमें 60 दर्ज पर दो शिक्षक की बात कही गई है। जिसमें से एक प्रधान पाठक और

एक शिक्षक है, यह पूर्णतया अव्यावहारिक है। इस प्रकार से सेटअप करने से बच्चों की गुणवत्ता तो गिरेगी, ही साथ ही साथ वहां कार्य कर रहे शिक्षकों के ऊपर भी भारी मानसिक दबाव रहेगा। ठीक उसी प्रकार मिडिल स्कूल के लिए सेटअप लागू किया गया है। इसमें भी सेटअप 2008 का पालन नहीं किया जा रहा है, जिसमें वनप्लस 4 का नियम था, लेकिन वर्तमान में प्रधान पाठक को भी शिक्षक माना जा रहा है।

मंडी परिसर में होटल संचालक ने किया कब्जा,जिम्मेदार अधिकारी गहरी नींद में

बाराद्वार। नगर के कृषि उपज मंडी में कई महीनो से साहू होटल के संचालक द्वारा परिसर में कब्जा करके बैठे हैं जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी गहरी नींद में सो रहे हैं। ऐसे प्रभारी अगर हर विभाग में होने लगे तो सरकार को भारी नुकसान होते रहेंगे। कृषि उपज मंडी को बनाया लकड़ी रखने का अड्डा इतने से भी मन नही भरा तो साहू होटल के संचालक ने मण्डी के पीछे की जगह जहां पर मंडी का अहाता है वहां पर अपना चूल्हा बनाया गया है उस चूल्हे का पूरा राखड़ एवम डस्ट मंडी परिसर के अंदर गिराया जा है इस भीषण गर्मी में पारा 43 से44 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है और ऐसे में राखड का मंडी परिसर में गिरना किसी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता मंडी परिसर के अंदर अनाज से भरे गोदाम है एवम पर्यावरण प्रदूषित किया जा रहा खुले आम स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ाई जा रही है। साहू होटल के द्वारा दबंगाई करते हुए कब्जा कर रखा है एवम खुले आम शासन को चुनौती दे रहा है। ज्ञात हो कि बाराद्वार से महज कुछ दूरी पर जिला मख्यालय है जहां तमाम जिम्मेदार अधिकारी पदस्थ है बावजूद इसके कृषि उपज मंडी परिसर में कब्जा कर होटल संचालित करने वाले व्यक्ति के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रशासन के सुस्त रवैया के कारण एक अदना शा होटल संचालक मंडी परिसर में कब्जा करते हुए जहां गोदाम में भरे अनाज के लिए खतरा पैदा कर रहा है तो वहीं बेजा कब्जा जाकर शहर का माहौल खराब करने में लगा है। इसके देखा देखी अन्य लोग भी बेजा कब्जा करने लगे हैं। जिम्मेदार अधिकारी शायद कोई बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं जो नुकसान होने के बाद उक्त व्यक्ति के ऊपर कार्रवाई करेंगे।

शिक्षक मोर्चा ने नवपदस्थ कलेक्टर का किया स्वागत

जांजगीर। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर जन्मेजय महोबे का शिक्षक संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने कार्यालय में भेंट कर बुके से स्वागत कर कलेक्टर के रूप में जिले की कमान संभालने पर हर्ष व्यक्त किए।साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य योजना पर भी मोर्चा द्वारा चर्चा किया गया।इस दौरान टीचर्स एसोसियेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी, शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला,टीचर्स एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सयुक्त शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विकास सिंह टीचर्स एसोसियेशन जिला सचिव डॉ बोधीराम साहू, शालेय शिक्षक संघ सचिव योगेन्द्र शुक्ला,विजय प्रधान,संजय दुबे,धनंजय शुक्ला,सुभाष शर्मा, राजकिशोर धीरही, संजय दुबे, सतीश स्वर्णकार, आरके सिंह, जी एल चौहान, संजय राठौर, अरुण शर्मा ,नरेंद्र तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, शैलेश दुबे ,शरद राठौर सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बाल-विवाह मुक्त जांजगीर-चांपा बनाने हेतु जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन और आमजनों से की अपील

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों में हर संभव प्रयास करने की अपील की है। बालविवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जिसे कानूनी रूप से भी निषेध किया गया है। प्राय: अक्षय तृतीया में बड़ी संख्या में बाल विवाह होते है जो प्रदेश व समाज के लिए अभिशाप है। बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणाम न केवल बच्चों को बल्कि पूरे परिवार व समाज पर पड़ते है। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का निर्मम उल्लंघन है। बाल विवाह से बच्चों के पूर्ण परिपक्व व्यक्ति के रूप में विकसित होने का अधिकार अच्छा स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा पाने और हिंसा व शोषण से बचाव के मूलभूत अधिकारों का हनन होता है। बाल विवाह को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग चाईल्ड लाईन की संयुक्त टीम गठित की गयी है।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लडके और 18 वर्ष से कम आयु की लडकी के विवाह को प्रतिबंधित करता है। 21 वर्ष से कम आयु का पुरूष यदि 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता है तो उसे 02 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो की 1 लाख रुपये तक हो सकता है अथवा दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता या करता है अथवा उसकी सहायता करता है उसे दंडित किया जा सकता है, तथा कोई व्यक्ति जो बाल विवाह को बढाव या जानबूझकर उसकी अनुमति देता है बाल विवाह में सम्मिलित होता है तो उसे भी दण्डित किया जा सकता है। बाल विवाह की जानकारी होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग 8963997174, चाईल्ड लाईन 1098, संबंधित परियोजना कार्यालय, पुलिस विभाग 112, व 100 नम्बर पर सूचित किया जा सकता है।

नही रहे पूर्व मंत्री राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह

सक्ती । राजा एवं कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र बहादुर सिंह का 83 वर्ष की आयु में मंगलवार दोपहर निधन हो गया। बुधवार को सक्ती के राज परिवार के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार होगा। ज्ञात हो कि ब्रिटिश काल (1965) में जब 14 रियासतों का गठन हुआ, तब छत्तीसगढ़ में बस्तर सबसे बड़ा रियासत था, वहीं सक्ती सबसे छोटा रियासत था, तब सक्ती के सर्वप्रथम राजा हरि गुजर ने गद्दी संभाली, इसके उत्तराधिकारी रूपनारायण सिंह ने 1914 तक राज चलाया, जिसकी एकमात्र बेटी की शादी रायगढ़ राजा नटवर सिंह के साथ हुई और उन्होंने छोटे भाई चित्रभान सिंह के बेटे लीलाधर सिंह को गोद लिया। इसके एकमात्र पुत्र जीवेंद्र बहादुर सिंह बिना राजतिलक हुए अल्पायु में ही निधन हो जाने से व लीलाधर सिंह की 1960 में मृत्यु होने पर सीधे सुरेन्द्र बहादुर सिंह मात्र 18 वर्ष की आयु में सक्ती रियासत के अंतिम शासक के रूप में राज सत्ता के सिंहासन पर आसीन हुए। लोकतंत्र प्रहरी के रूप में विधायक के साथ तत्कालीन मध्यप्रदेश में मंत्री पद को सुशोभित करते हुए जांजगीर जिला की नींव रखी। मध्य प्रदेश अथवा छत्तीसगढ़ की राजनीति हो या दिल्ली की राजनीति हो, राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह राजनीति में एक सशक्त हस्ताक्षर के रूप में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते रहे। उनका कद इतना बड़ा रहा कि वर्तमान सक्ती जिले की राजनीति में स्व. वेदराम एवं स्व. भवानी लाल वर्मा के मंत्री होने पर भी राजा एक विधायक रहकर भी भारी पड़ते रहे।

बीबी फातिमा वेलफेयर फाउंडेशन ने किया पुस्तक वितरण

चांपा। क्लब हाउस ओम सिटी चांपा में बीबी फातिमा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा क्लब हाउस ओम सिटी में जरूरतमंद बच्चों को पुस्तक वितरण एवं करियर गाइडेंस का आयोजन किया गया।ज्ञात हो कि बुक बैंक के माध्यम से पुस्तक वितरण, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उनकी कक्षाओं के अनुसार आवश्यक पुस्तकें प्रदान की गईं। इस पहल से उन विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा जो संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। इसके साथ ही, करियर गाइडेंस सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें 12 वीं और ग्रेजुएशन स्तर की छात्राओं ने भाग लिया। विशेषज्ञों द्वारा उन्हें विभिन्न करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों और स्कॉलरशिप से संबंधित उपयोगी जानकारियाँ दी गईं। यह सत्र छात्राओं के आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ाने वाला रहा। कार्यक्रम में समाज और न्याय व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें प्रमुख रूप से, करियर काउंसलर सैयद रफीक , शाह आलम . विशाखा अंशु राजस्व निरीक्षक जागृति मैडम. श्रीमती अंजना सिंह परिहार. श्रीमती शांति . श्रीमती भावना मसीह शामिल रहे।

प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में किस प्रकार करियर बना सकते हैं इसकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने एकत्र होकर दो मिनट का मौन रखकर संवेदना प्रकट की।

खनिज विकास के अध्यक्ष सौरभ सिंह का किया सम्मान

जांजगीर-चांपा। खनिज विकास निगम छत्तीसगढ़ शासन के नवनियुक्त अध्यक्ष सौरभ सिंह का डी के मेडिकल स्टोर्स जांजगीर में राजपूत क्षत्रिय प्रतिनिधियों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उन्हें सिद्ध शक्ति पीठ चण्डीदाई की चुनरी, भारत माता के मान सम्मान एवं स्वाभिमान के प्रतीक राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप का तेल चित्र एवं शक्ति का प्रतीक तलवार भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जिला मुख्यालय जांजगीर में स्थापित होने वाले महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना हेतु जानकारी लिया, जिस पर उन्हें की गई कार्यवाहियों से संबंधित समस्त दस्तावेज देवेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया गया।

हत्या के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चांपा। बारात में नाचने के दौरान हुए विवाद में युवक की हत्या करने के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले भी 6 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। मामला चांपा थाना का है।

इस संबंध में चांपा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चांपा क्षेत्र के ज्ञान गंगा स्कूल के पास भैंसा बाजार चांपा के पास एक शादी के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। थी। घटना 16 फरवरी को हुई जब मोहन केवट की शादी के दौरान बारात में आए लोगों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी मनोज उर्फ गोलू मांझी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रामधन पटेल और साहिल पटेल पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रामधन पटेल और साहिल पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला चिकित्सालय जांजगीर में भर्ती कराया गया था। लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रायपुर अस्पताल रेफर किया गया, जहां रामधन पटेल की इलाज के दौरान 18 फरवरी की सुबह मौत हो गई की सूचना रिपोर्ट पर थाना चांपा में आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप व एसडीओपी चाम्पा यदूमणि सिदार के मार्गदर्शन में पूर्व में 6 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है एवं 2 विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही किया जा चुकी है। आरोपी सोम उर्फ़ सुशांत यादव एवं दुर्गेश उर्फ दादू जो घटना घटित कर फरार था। जिसकी थाना चांपा पुलिस द्वारा लगातार पातासाजी की जा रही थी। आरोपियों को मुखबिर सूचना से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

शिवरीनारायण। नाबालिक बालिका को शादी का ने झांसा देकर दैहिक शोषण करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि आरोपी को आगरा से पकड़ा गया है। मामला शिवरीनारायण थाना क्षेत्र का है।

इस संबंध मिली नाबालिक बालिका को आरोपी के द्वारा बहला फुसलाकर अपहरण कर लेने की रिपोर्ट शिवरीनारायण में दर्ज कराई थी। थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारानाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए लगातार पातासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में मुखबिर सूचना पर अपहृता को आरोपी खरौद मांझापारा निवासी अमृत लाल आदित्य के कब्जे से कमलनगर आगरा उत्तरप्रदेश से बरामद किया गया। प्रकरण के आरोपी अमृत लाल आदित्य को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाना एवं शादी का झांसा देकर लगातार दैहिक शोषण करना जुर्म स्वीकार किये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2),87, 64 (2)ड बीएनएस 4,6 पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी शिवरीनारायण, सउनि नरेंद्र शुक्ला, नीलमणी कुसुम आरक्षक प्रवीण साहू मआर सरिता लहरे थाना शिवरीनारायण का योगदान रहा।

जल जीवन मिशन अंतर्गत चल रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में करें पूर्ण : कलेक्टर

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन सहित अन्य कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत चल रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को चल रहे कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग कर प्रगति लाने के निर्देश दिए है। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा धीमी प्रगति वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा की जल जीवन मिशन के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों में आवश्यकतानुसार अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निराकरण तत्काल करने हेतु निर्देशित किए।

कलेक्टर ने नल-जल योजनाओं की स्वीकृति की स्थिति, जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की अद्यतन प्रगति तथा हर घर जल के लक्ष्य एवं अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत गांवों में पानी के भूजल स्तर और जल स्रोत की उपलब्धता और सूखापन, बिजली की व्यवस्था, ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं उससे जुड़ी समस्या, टंकी स्थापना, टंकी में पानी की पहुंच, पम्प स्थापना, घरों तक पाइपलाइन के बारे में जानकारी ली और समय अवधि तक प्रस्तावित कार्यों को पूरा करने के लिए कहा, साथ ही कार्यों को मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पेयजल संकट वाले गांवो जानकारी ली एवं भूजल स्तर बढ़ाने के लिए लांग टर्म वाटर रिचार्ज कार्ययोजना बनाकर कार्य करने कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, कार्यपालन अभियंता पीएचई पी एस सुमन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./726/अवि.अ/वाचक/2025 पोड़ी उपरोड़ा दिनांक 17/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रीति अग्रवाल पति राकेश अग्रवाल एवं 01 अन्य जाति अग्रवाल निवासी कारखाना एरिया कटघोरा तहसील कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम कसनिया प.ह.नं. 44 रा.नि.मं. सुतर्रा तहसील पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.) स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 305/5 रकबा 0.028 हे. भूमि को व्यवायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 02/05/2025 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

सीलसक्षम प्राधिकारी
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./721/अवि.अ/वाचक/2025 पोड़ी उपरोड़ा दिनांक 17/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिक रतन अग्रवाल पिता स्व. झब्बुलाल अग्रवाल निवासी कटघोरा तहसील कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.) द्वारा ग्राम कसनिया प.ह.नं. 44 रा.नि.मं. सुतर्रा तहसील पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.) स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 139/1 रकबा 0.028 हे. भूमि को व्यवायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 02/05/2025 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

सील
सक्षम प्राधिकारी
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार जांजगीर, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

क्रं/तह./वा-1/2025 जांजगीर, दिनांक 28.04.2025

//सूचना//

1. ना.बा. अपराजिता सिंह पिता स्व. देवेश सिंह वली मां श्रीमती लक्ष्मी सिंह
2. मधुबाला सिंह बेवा देवेश सिंह, जाति क्षत्रिय निवासी ग्राम जांजगीर, थाना व तहसील जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रेयसी सिंह पिता स्व. देवेश सिंह एवं 03 अन्य जाति क्षत्रिय निवासी ग्राम जांजगीर द्वारा प.ह.न. 05 ग्राम जांजगीर स्थित भूमि ख.न. 229, 230/1, 1753/1, 1826/1, 1890/1, 2700/1, 2738/1,3088/1, 3820/1, 3953/4, 4551/1, 4804/1 रकबा 0.425, 0.283, 0.032, 0.024, 0.898, 0.243, 0.004, 1.303, 0.032, 0.020, 0.040, 0.170 हे. के 1/2 अंश के आधार पर खाता विभाजन किए जाने आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः आप उक्त प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 09.05.2025 को कथन हेतु उपस्थित होंवें अन्यथा आपके विरूध्द एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 28.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

सील
तहसीलदार
जांजगीर

*जांजगीर-चांपा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कुल 48 संवर्गों के जिला स्तर के रिक्त 148 संविदा पदों की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 09 संवर्ग के 10 संविदा पदों हेतु कौशल परीक्षा / साक्षात्कार का आयोजन शासकीय नर्सिंग कालेज एवं जिला चिकित्सालय में किया गया था।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

क्र. 2108/निर्माण / 2025 **दिनांक 25.04.2025**

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 36 पाड़ीमार बालको नगर (जे.एन. दुबे मोहल्ला) सामुदायिक भवन निर्माण (रा.आ.प्र.वि.मद) (द्वितीय निविदा)	10.00	13.05.2025 (T.No.167482)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा छ.ग.

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

सीएमएचओ जायसवाल का सारंगढ़ हुआ तबादला

जांजगीर-चांपा। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में प्रभारी सिविल सर्जन और डॉक्टरों के साथ स्टाफ नर्स और कर्मचारियों के बीच करीब डेढ़ माह से चल रहे विवाद के बीच शासन द्वारा तबादला आदेश जारी किया गया है। खास बात यह है कि इस तबादले में जिस प्रभारी सिविल सर्जन को हटाने की मांग की जा रही थी, उसे यहां से हटाकर पड़ोसी जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में बतौर प्रभारी सिविल सर्जन भेजा रहा है। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संगठन के पदाधिकारी डॉक्टर सहित तीन डॉक्टरों को सुकमा, नारायणपुर और खड़गंवा की राह दिखा दी गई है।

गौरतलब है कि बैरिस्टर ठा. छेदीलाल जिला चिकित्सालय में पदस्थ प्रभारनी सिविल सर्जन और डॉक्टरों, स्टाफ नर्स और कर्मचारियों के बीच बीते मार्च महीने में विवाद शुरू हो गया था। इस दौरान डॉक्टर, स्टाफ नर्स और कर्मचारियों ने प्रभारी सिविल सर्जन पर प्रताड़ना व दुव्यर्वहार का आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया था।

प्रभारी सिविल सर्जन को हटाने की एक सूत्रीय मांग को लेकर डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ स्टाफ ने कई चरण में आंदोलन किए। इस दौरान ओपीडी का बहिष्कार, सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल किया गया, तो वहीं जिला व प्रदेश स्तर पर भी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। इस बीच डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन की संभागीय बैठक भी हुई और शासन स्तर पर मांगे रखी गई। इधर इन सबके बीच बीते 24 अप्रैल के डेट में चिकित्सा अधिकारियों व चिकित्सा विशेषज्ञों के प्रशासनिक आधार पर तबादला सूची जारी हुई है। इस सूची के अनुसार जिले में पदस्थ प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. दीपक कुमार जायसवाल को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में प्रभारी सिविल सर्जन बनाया गया है। वहीं आंदोलन में शामिल रहे जिला चिकित्सालय के डॉक्टर इकबाल हुसैन को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणपुर भेजा जा रहा है।

इसी प्रकार चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक कुमार साहू को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खड़गंवा जिला एमसीबी और दंत चिकित्सक डॉ. विष्णु पैगवार का स्थानांतरण सुकमा जिले के दोरनापाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन विवाद के बाद प्रभारी सीएस के पड़ोसी जिला में और आंदोलन में शामिल 3 डॉक्टरों के दूरस्थ अंचलों में स्थानांतरण हो लेकर कई तरह की चर्चा हो रही है।

अनमोल वचन......

प्रत्येक जीव ही अव्यक्त ब्रह्म है। बाम एवं अन्तः प्रकृति, दोनों का नियमज कर, इस अन्तर्निहित ब्रह्म-स्वरूप को अभिव्यक्त करना ही

न्यायपालिका पर हमले

उप-राष्ट्रपति ने संसद को सर्वोच्च बताया है। यानी संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिसका न्यायिक परीक्षण नहीं होना चाहिए। इस तरह जगदीप धनखड़ ने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। न्यायपालिका पर हमले जारी रखते हुए उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब ये विवादास्पद बात कही है कि भारतीय व्यवस्था में संसद सर्वोच्च है। इस तरह उन्होंने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। धनखड़ के मुताबिक संसद के ऊपर सिर्फ मतदाता हैं, जो संसद का चुनाव करते हैं।

इस तर्क को आगे बढ़ाया जाए, तो उसका अर्थ निकलेगा कि निर्वाचित होने के बाद संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिनमें संविधान संशोधन बिल भी शामिल हैं। यह तर्क सीधे तौर पर संवैधानिक अदालतों के अस्तित्व को चुनौती है।

इसलिए कि संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट) को संविधान ने संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या का अधिकार दिया है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट को संसद से पारित विधेयकों के परीक्षण का अधिकार भी हासिल है। भारत में न्यायशास्त्र के विकास के साथ सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत विकसित किया है। इस ढांचे से हेरफेर करने वाले कानूनों को रद्द कर देने का अधिकार उसे हासिल है। फिर संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रावधान है कि 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने के लिए' सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर सकता है। यह आदेश सारे देश में लागू होगा। जहां तक सर्वोच्चता का सवाल है, तो भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में शक्तियों के अलगाव का सिद्धांत अपनाया गया है।

इसके तहत कोई राजकीय संस्था सर्वोच्च नहीं है। हर संस्था को ऐसे अधिकार हैं, जिससे वह अवरोध एवं संतुलन का दायित्व निभा सके। अवरोध एवं संतुलन की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि हर संस्था संवैधानिक दायरे में काम करे। इस तरह अधिनायकवाद की प्रवृत्तियों पर नियंत्रण बना रहता है। उप-राष्ट्रपति खुद एक बड़े संवैधानिक पद पर हैं, जहां उनसे भी ऐसी भूमिका की अपेक्षा की जाती है। मगर हाल के भाषणों में उन्होंने 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने' संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को चुनौती दी है और अब उन्होंने संसद की सर्वोच्चता का ऐलान किया है। उनके इस नजरिए से राष्ट्रीय जनमत के एक बड़े हिस्से में कौतूहल देखा गया है। ये सवाल उठा है कि आखिर धनखड़ ऐसे दावे क्यों कर रहे हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज अपने व्यक्तित्व और स्वभाव में लाया गया परिवर्तन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक तथा पारिवारिक लोगों की तरफ से विशेष मान-सम्मान मिलेगा। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आलस को अपने ऊपर हावी न होने दें। इससे आपकी कार्य क्षमता प्रभावित हो सकती है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलने-मिलने से आपको बचना चाहिए। आज अपनी खास योजना किसी से भी शेयर न करें। कभी-कभी बहुत ज्यादा आत्म निर्भर होना और ईगो की भावना रखने से आपको समस्या हो सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना दूसरों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज किसी रुके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है। किसी भी योजना को क्रियान्वित करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह जरूर लें। लेनदेन के मामलों को लेकर सावधानी बरतें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्यप्रणाली में बेहतर सुधार आने से आपके कार्य समय से पूरे होते रहेंगे। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने तथा आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है। आज नौकरी कर रहे लोगों को फोन द्वारा किसी उच्चाधिकारी से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

सिंह राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल करने से ज्यादा सफलता मिलेगी। आप अपनी प्रतिभा को पहचाने और पूरी ऊर्जा के साथ अपनी दिनचर्या व कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखेंगे। आज अपनी योजनाओं व गतिविधियों को किसी के साथ भी शेयर ना करें। छात्र आज किसी टॉपिक को समझने में सफल होंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आज आपको जो भी काम दिया जायेगा उसे आप अच्छे से करेंगे। बिजनेस में आपको मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल होंगे। आज आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना होगा अन्यथा बना बनाया काम दूबारा करना पड़ सकता है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय उपलब्धियों वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगायेंगे। आज आपको ध्यान रखना होगा कि आपका प्रोजेक्ट तय समयानुसार पूरा हो जाये। आज आपको अपने गुस्से व आक्रोश पर नियंत्रण रखना जरूरी है। आज जीवनसाथी तथा पारिवारिक सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनन्दित होंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपको हौसला बनाकर रखना है। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी सौहार्द बना रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आपके धन प्राप्ति के मार्ग में यदि कुछ समस्याएं आ रही है, तो वह आज दूर होगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी माँ की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप समस्या से बच जायेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अन्य लोगों की मदद से आज आपके रुके कार्य पूरे हो जायेंगे। मित्रों के साथ बिताए हुए समय की वजह से आनंद मिलेगा। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा।

छात्रों के विरोध अश्लील और असभ्य

प्रियंका सौरभ

दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लीपा और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव-यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है- क्या विविद्यालय सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं। क्या छात्र आंदोलन केवल 'विचारों' से नहीं, अब 'गंध' से भी संवाद करने लगे हैं?

यह विरोध दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैम्पस के एक कॉलेज में हुआ जहां छात्रों ने गोबर लीप कर क्लासरूम को 'पवित्र' करने की कोशिश की। दरअसल, 'पवित्रता' का यह तंज था-एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र 'अपवित्र' मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय, और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।

भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवन शैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की 'पवित्रता' को उलट देता है, बल्कि दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं। यह विरोध दरअसल उस छद्म सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चोट करता है जो गाय, गोबर और गंगा जल को पवित्र मानता है, लेकिन दलित, आदिवासी व वंचित समुदायों की पीड़ा को अपवित्र विषय मानता है।

भारतीय विविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं, जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है, तो उसे 'राष्ट्रविरोधी', 'गद्दार', या 'विकास-विरोधी' कहा जाने लगता है। कैम्पस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल 'असभ्यता' कह कर खारिज करना आसान है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षो से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही विकल्प बनते हैं।

यह विरोध 'हिंसक' नहीं था, लेकिन 'सुगंधित' भी नहीं था। निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी। लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं, तो समस्या छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। अलबत्ता, यह विरोध मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि दर्शाता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। यह खतरनाक संकेत है- न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी।

मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया -'छात्रों ने लीपा गोबर!', 'गाय के नाम पर राजनीति फिर से!'-लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं। किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया। किसने संवाद के रास्ते बंद किए। मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता। सत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मान कर उन्हें नीतियों में शामिल करती है-जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना-तब वह 'धर्म-सम्मत' होता है।

लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं, तो वे 'अश्लील' और 'असभ्य' बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है-दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है। इस घटना के बहाने जरूरी हो गया है कि विविद्यालयों में संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत किया जाए। यह घटना प्रतीकात्मक चेतावनी है-शिक्षा का मंदिर यदि सत्ता की चौकी बन जाए, तो छात्र वहीं पर 'शुद्धि यज्ञ' करने लगते हैं। गोबर का यह विरोध हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए -वरना दीवारें ही नहीं, सोच भी गंधाने लगती है।

व्यंग्यः आस्तीन में घर हैं जिनके

//विवेक रंजन श्रीवास्तव //

सोशल मीडिया में खालिस भारतीय विदेशी भक्त और उनकी दोहरे चरित्र देखने लायक हैं। भारत के डिजिटल जंगल में इस नई प्रजाति का उदय हुआ है , जिनकी जुबान वैश्विक नागरिकता का राग अलापती है, पर भारत की आस्तीन में छुपा उनका घर किसी और ही महाद्वीप का पता बताता है। ये वो शख़्सियतें हैं जो भारत की मिट्टी में पलती-बढ़ती हैं, पर उनकी नज़रें हमेशा विदेशी स्टैंडर्ड्स के पैमाने से ही देश को नापती हैं। अगर कोई भारत सरकार की आलोचना करे, तो ये उसकी पीठ थपथपाने को तैयार मिलते हैं।

यदि सरकार के समर्थन में कुछ लिख दिया तो यह ब्रिगेड भक्त का टाइटिल देने में देर नहीं लगाती , इस तरह वे स्वयं को कथित सेक्युलर साबित करने में जुट जाते हैं। विदेशी सरकारों के मुंह से भारत पर कोई टिप्पणी निकले, तो ये उसे सच्चाई का आईना घोषित कर देते हैं। आस्तीनों में बसे इनके घर की नींव तो शायद , न्यूयॉर्क या जेनेवा की मिट्टी से बनी है! इनके रहने वाली बांबी भीतर ही भीतर पाकिस्तान और बंगलादेश तक जुड़ी हुई है।

इनका व्यंग्य-शस्त्रागार बेहतरीन होता है। सरकार ने कोई नीति बनाई। तुरंत ट्विटर पर ट्रेंड करो- अरे, स्वीडन में ऐसा होता तो...। किसी भारतीय संस्था ने कोई उपलब्धि हासिल की। ..पर सिंगापुर में तो ये सालों पहले...। ये लोग कॉम्पेयर एंड डिस्पेयर के मास्टर हैं। इन्हें पता ही नहीं कि स्वीडन की आबादी भारत के एक छोटे राज्य जितनी है, या सिंगापुर का भूगोल चंडीगढ़ से छोटा है। पर इन्हें यथार्थ से क्या लेना-देना। इनका काम वर्चुअल एक्सपर्ट बनकर अपने ही देश को लताड़ना है। ये अभिव्यक्ति की आज़ादी की दुहाई देते हैं, पर इनकी परिभाषा में आज़ादी सिर्फ़ सरकार की आलोचना करने तक सीमित है। अगर कोई इनसे पूछे, भई, आप जिस देश को आइडियल मानते हो, वहाँ तो पुलिस प्रोटेस्टर्स पर घोड़े दौड़ाती है! तो जवाब मिलता है वो अलग बात है, वहाँ की सरकार परफेक्ट है। यानी, इनके लिए आलोचना का अधिकार सिर्फ़ भारत के लिए रिज़र्व्ड है। बाकी दुनिया, उन्हें तो समझने की ज़रूरत है! ये विदेशी मीडिया के प्रति हैलो प्रिंसिपल सिंड्रोम से ग्रस्त होते हैं।

ये अंग्रेजी जानते हैं, विदेशी मीडिया के प्रति बेहिसाब लगाव रखते हैं। किसी विदेशी मीडिया ने भारत पर कोई रिपोर्ट छापी, तो ये उसे गॉस्पल मानकर शेयर करते हैं। पर अगर भारतीय मीडिया विदेशों में हो रहे अत्याचारों की बात करे, तो ये उसे प्रोपेगैंडा बताते हैं। इनके मुताबिक़, ऑब्जेक्टिविटी की मोहर सिर्फ़ विदेशी चैनलों पर लगती है। और हाँ, अगर कोई भारतीय इस दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए, तो वह अंधभक्त कहा जाता है!

इनके ट्वीट्स और पोस्ट्स देखकर लगता है मानो भारत की हर समस्या का समाधान विदेशी सलाहकारों के पास है। गंगा प्रदूषण यूरोपियन एक्सपर्ट्स को बुलाओ! किसान आंदोलन यूएन को हस्तक्षेप करना चाहिए! पर इन्हें यह नहीं सूझता कि जिन देशों को ये रोल मॉडल मानते हैं, उन्होंने अपनी समस्याएँ खुद सुलझाई थीं। स्वदेशी समाधानों पर भरोसा अरे, वो तो रिग्रेसिव है! वेस्टर्न वैलिडेशन चाटुकारिता का नया अवतार , ये लोग भारत के सॉफ्ट पावर पर तब तक शक करते हैं, जब तक कि कोई विदेशी उसे वैलिडेट न कर दे। योग तब तक अंधविश्वास है, जब तक यूनेस्को ने उसे विरासत न घोषित किया। आयुर्वेद झाड़-फूँक है, जब तक हॉलीवुड सेलिब्रिटीज़ ने उसकी तारीफ़ न कर दी। इन्हें लगता है कि भारत की प्रशंसा का अधिकार सिर्फ़ विदेशियों के पास है। जैसे कि अपनी माँ की तारीफ़ पड़ोसी के मुँह से निकलना ज़रूरी हो!

हो सकता है कि इन आस्तीन के सांपों का इरादा देश का भला करना हो, पर इनकी रणनीति संदेह पैदा करती है। ये भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता और राष्ट्र-विरोधी नैरेटिव में फ़र्क होता है। समस्या यह नहीं कि ये सरकार की आलोचना करते हैं; समस्या यह है कि ये एजेंडा प्रेरित टूल किट से अंध प्रवक्ता बनकर , फिर देश की आस्तीन में घुस जाते हैं।

क्या भारत, पाकिस्तान के खिलाफ वाटर बम्ब इस्तेमाल करेगा

//अजय दीक्षित//

एशियन स्टडी फॉर वॉटर मैनेजमेंट की प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ वाटर बार खड़ा कर सकता है।यह रिपोर्ट इस समय प्रकाशित हुई है जब भारत ने इंडस वैली ट्रीटी रद्द करने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 22 अप्रैल की आतंकी घटना के बाद भीषण विवाद हो गया है। इस हादसे में 25 निर्दोष पर्यटक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लश्कर ए तैयबा के टीआरएफ नामक संगठन ने जिम्मेदारी ली है। भारत ने सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं जिनमें एक इंडस वैली ट्रीटी को रद्द कर दिया है।यह संधि 1960, में विश्व बैंक के अनुरोध पर पाकिस्तान को रावी व्यास सतलुज, चिनाव झेलम सिंध नदियों का जल उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारत सरकार ने केंद्रीय जल आयोग के इंजीनियरों को तुरंत सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है कि अगर सिंधु जल को पाकिस्तान जाने से रोकना हो तो किस प्रकार के निर्माण की जरूरत होगी।

क्योंकि इन नदियों पर हाइड्रल पावर स्टेशन तो हैं लेकिन जल भराव क्षमता कितनी है और उसे अपग्रेड करने के लिए कौन कौन सी जगह बांध बनाने पड़ेंगे। केंदीय वाटर रिसोर्स मंत्रालय,को भी सक्रिय किया गया है। सेंटर फॉर इंडियन ओसियन वाटर मैनेजमेंट पुणे के डायरेक्टर डॉ भूले को दिल्ली तलब किया गया है। कुल मिलाकर मोदी सरकार ने पाकिस्तान को वाटर बॉम्ब के जरिए सबक सिखाने की ठान ली है। जानकारी के अनुसार पानी को रोकना या एक दम छोड़ देना भी एक तरह का हथियार है। रावी व्यास सतलुज नदियों में पानी का प्रवाह काफी तेज होता है क्योंकि ये नदियां काफी ऊंचाई से गिरती हैं। पाकिस्तान में पिछले 70 वर्षों में कैनाल सिस्टम बना है तो इनका पानी नहरों में बह कर सिंचाई परियोजना के काम आता है। ब्रिटिश ने भी आजादी से पहले कुछ नहरें लाहौर, पेशावर, कराची में बनाई थी बाद में इनका विस्तार भी हुआ है। लेकिन अगर भारत की ओर से पानी अचानक छोड़ा गया तो पाकिस्तान में तबाही तय है।इसी लिए आज पाकिस्तान के हुक्मरान ने कहा है कि भारत पानी से लड़ेगा तो युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान ने आज सिंधु जल समझौता आयोग में आपत्ति दर्ज कराई है कि भारत इंडस वैली ट्रीटी के तहत हाइड्रल डेटा शेयर नहीं कर रहा है।

द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ ने वाटर बॉम्ब का इस्तेमाल हंगरी पोलैंड चेकोस्लोवाकिया के खिलाफ किया था। अभी हाल ही में यूक्रेन ने रूस एक बांध तोड़ कर पूर्वी रूस में तबाही मचाई थी। लेकिन पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो भारत के वाटर बॉम्ब को झेलना तो दूर बाढ़ को भी नहीं रोक पाएगा। लेकिन विशेषज्ञ का मत है कि हाल फिल हाल भारत को तैयारी के लिए साल भर तक लग सकता है क्योंकि पानी रोकने के लिए संचालित संरचना कायम करना पड़ेगी।

तस्वीरों की दुनिया

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रायबरेली में विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड में 2 मेगावाट के एटीयूएम सोलर रूफ प्लांट और एटीयूएम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन के दौरान।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में आईपीएल इतिहास में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने पर 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को बधाई देते हुए । साथ में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद हैं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की।

कांग्रेस नेता और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने रायबरेली के बचत भवन में कांग्रेस नेताओं के साथ दिशा बैठक की अध्यक्षता की।

जन सेना पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने गुंटूर के मंगलागिरी में पार्टी द्वारा आयोजित एक शोक समारोह में पहलगाम आतंकवादी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवरिया में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान।

अफजल गुरु की तारीफ करने वालों के खिलाफ दर्ज FIR नहीं होगी रद, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु की प्रशंसा करने, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कपड़ों पर टिप्पणी करने और सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्टों के जजों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोपित तमिलनाडु तौहीद जमात के दो सदस्यों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट ने रद करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अपने 22 अप्रैल के फैसले में तौहीद जमात के दो सदस्यों के विरुद्ध कर्नाटक और तमिलनाडु में दर्ज तीन प्राथमिकियों को एक साथ संलग्न कर दिया। साथ ही कहा कि रहमतुल्ला और जमाल मोहम्मद ने 17 मार्च, 2022 को मदुरै में एक विरोध रैली में बेहद आपत्तिजनक नफरत भरे भाषण दिए थे। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा भाषणों में इस्तेमाल की गई

भाषा बेहद आपत्तिजनक है और कथित अपराधों का ब्योरा उजागर करती है। इसलिए इस अदालत के लिए प्राथमिकियों को रद करने के संबंध में संविधान के अनुच्छेद-32 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने की गुंजाइश नहीं है।पीठ ने कर्नाटक के बेंगलुरु और तमिलनाडु के तंजावुर व मदुरै में दोनों के विरुद्ध दर्ज कई प्राथमिकियों में कही गई बातों पर गौर किया।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने भारतीय संसद पर हमले के मास्टरमाइंड आतंकी अफजल गुरु की प्रशंसा की। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के फैसले के विरुद्ध भी टिप्पणी की, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के परिधान, ईसाइयों के त्योहार, हिंदुओं द्वारा अपने शरीर पर भस्म लगाने की प्रथा, सिखों द्वारा अपने साथ कृपाण रखने की धार्मिक प्रथा और इसे मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले हिजाब से जोड़ने का प्रयास किया।पीठ ने कहा कि दोनों ने हिजाब मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले की भी निंदा की। शीर्ष अदालत ने कहा कि नफरती भाषण के आधार पर मदुरै शहर के थल्लाकुलम थाने में तैनात एक उपनिरीक्षक ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 18 मार्च, 2022 को दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, किसी समुदाय को दूसरे समूह के विरुद्ध अपराध करने के लिए उकसाने और अन्य अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई। इसी दिन तंजावुर में भी इसी तरह की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एक वकील की शिकायत पर 19 मार्च, 2022 को विधानसौध थाना, बेंगलुरु में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तमिलनाडु तौहीद जमात के दोनों सदस्यों ने तमिलनाडु की दोनों प्राथमिकियों को एक साथ संलग्न करने और बेंगलुरु की प्राथमिकी को रद करने के लिए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी।

पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस ने अपने नेताओं की दी नसीहत, बोली- गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचें

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में सियासी और सामाजिक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। ऐसे संवेदनशील मौके पर कांग्रेस पार्टी ने अपने नेताओं और पदाधिकारियों के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। पार्टी की ओर से यह कदम उठाया गया है ताकि किसी भी तरह की गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचा जा सके और एकजुटता के साथ पार्टी की आधिकारिक पोजिशन पेश की जा सके। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि पार्टी के सभी पदाधिकारी अनुशासन का पूरा पालन करें और सार्वजनिक बयानबाजी में एकरूपता बरतें। सर्कुलर में साफ तौर पर कहा गया है कि पार्टी की तरफ से बयान देने के लिए केवल अधिकृत व्यक्ति ही आगे आएं और वे भी केवल कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 24 अप्रैल 2025 को पारित प्रस्ताव में दर्ज पार्टी के रुख तक ही सीमित रहें।कांग्रेस ने चेताया है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और इसमें किसी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। पार्टी ने अपने सभी नेताओं को याद दिलाया है कि ऐसे नाजुक मौकों पर संयम और शालीनता बनाए रखना जरूरी है, जो कि कांग्रेस की पुरानी परंपरा और उसूलों का हिस्सा है।सर्कुलर में आगे कहा गया है, आइए हम कांग्रेस पार्टी के मूल्यों और रवायतों को ध्यान में रखते हुए एकजुट होकर देश के सामने गरिमा और समझदारी का परिचय दें, जिसकी अपेक्षा इस वक़्त मुल्क को हमसे है।

स्वीडन के उप्साला शहर में गोलीबारी तीन की मौत, हमलावर स्कूटर से फरार

उप्साला। स्वीडन के शहर उप्साला में मंगलवार को हुई गोलीबारी की एक बड़ी वारदात में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य

लोग जख्मी हो गए हैं। यह वारदात शहर के बीचोंबीच हुई, जो कि राजधानी स्टॉकहोम से लगभग 60 किलोमीटर (37 मील) उत्तर में स्थित है। पुलिस के मुताबिक, जब स्थानीय लोगों ने गोली चलने जैसी आवाजें सुनीं तो उन्होंने आपात सेवाओं को फोन किया। सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। वहां कई लोग घायल अवस्था में मिले, जिन्हें गोली लगने की आशंका है।स्वीडन के सरकारी टेलीविज़न चैनल SVT ने रिपोर्ट किया कि गोलीबारी को अंजाम देने के बाद हमलावर एक स्कूटर पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने शहर के एक बड़े हिस्से को घेर लिया है और संदिग्ध की तलाश के लिए मैनहंट (आरोपी की तलाश) शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।पुलिस ने पुष्टि की है कि कई लोग जख्मी हुए हैं, लेकिन स्थानीय अस्पताल ने उनकी स्थिति के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया है। इसलिए अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कुल कितने लोग घायल हुए हैं और उनकी हालत कैसी है। घटना के बाद से शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर रखा है और सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे उस इलाके से दूर रहें जहां सुरक्षा घेरा लगाया गया है।

कोलकाता के होटल में भीषण आग, 14 की मौत, रेस्क्यू जारी

कोलकाता, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

कोलकाता के फालपाट्टी मछुआ इलाके के पास एक होटल में मंगलवार रात भीषण आग लगने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा रात करीब 8.15 बजे 'ऋतुराज होटल' में हुआ। कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि अब तक 14 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

वर्मा ने बताया, आग पर अब काबू पा लिया गया है और राहत-बचाव अभियान जारी है। मामले की तहकीकात की जा रही है और इसके लिए एक खास टीम बनाई गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस हादसे के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने राज्य सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, मैं राज्य प्रशासन से अपील करता हूं कि वे तत्काल राहत और बचाव कार्य करें, घायलों को तिब्ब इलाज और इंसानी मदद मुहैया कराएं। इसके साथ ही आग जैसी वारदातों को रोकने के लिए फायर सेफ्टी इंतजामों की सख्त निगरानी की जाए। वहीं, पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कोलकाता नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अफसोसनाक घटना है। होटल में आग लग गई, अब भी कई लोग अंदर फंसे हुए हैं। कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। मुझे नहीं समझ आ रहा कि कॉर्पोरेशन क्या कर रहा है।

कमला प्रसाद-बिसेसर बनीं त्रिनिदाद की पहली महिला प्रधानमंत्री, आम चुनाव में मिली बड़ी जीत

सैन जुआन। त्रिनिदाद और टोबैगो की पूर्व प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर की पार्टी ने चुनावों में भारी जीत के बाद सत्ता में वापसी की है। त्रिनिदाद और टोबैगो का नेतृत्व अब कमला प्रसाद-बिसेसर करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कमला को चुनावी जीत पर बधाई दी। पीएम ने कहा, चुनाव में जीत के लिए हार्दिक बधाई। हम त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ अपने ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और पारिवारिक संबंधों को संजो कर रखते हैं। मैं साझा समृद्धि और कल्याण

के लिए साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री 73 वर्षीय कमला 2010 से 2015 तक इस पद पर रहीं। वह वकील और शिक्षिका हैं। जीत के बाद उन्होंने समर्थकों से कहा, हमें अभी बहुत काम करना है। चुनाव के प्रारंभिक परिणामों के अनुसार यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने प्रतिनिधि सभा में 41 में से 26 सीटें जीत ली हैं। स्टुअर्ट यंग के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल मूवमेंट ने 13 सीटें प्राप्त कीं। स्टुअर्ट यंग ने हार स्वीकार कर ली है। स्टुअर्ट पिछले महीने पूर्व प्रधानमंत्री कीथ रावले के पद छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री बने थे। यंग ने मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की थी। कुछ नागरिकों ने बिना चुनाव के यंग को प्रधानमंत्री नियुक्त करने का विरोध किया था। तेल और गैस से समृद्ध यह देश अपराध में वृद्धि और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा है। कमला ने सरकारी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि, बुजुर्गों की पेंशन की सुरक्षा और देश की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोट्रिन को पुन: खोलने का वादा किया है। एक शताब्दी से अधिक समय तक परिचालन के बाद पेट्रोट्रिन को 2018 में बंद कर दिया गया। इसके लिए विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया है।

जस्टिस भूषण गवई बनेंगे भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश, 14 मई को ग्रहण करेंगे पदभार

नई दिल्ली 30 अप्रैल। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई को मंगलवार को भारत का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। वह 14 मई को चीफ जस्टिस का पदभार ग्रहण करेंगे। 13 मई को वर्तमान चीफ जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।विधि मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर जस्टिस गवई को भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, 16 अप्रैल को चीफ जस्टिस खन्ना ने उनके नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार को की थी। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 23 दिसंबर को पद से मुक्त हो जाएंगे। वह वर्तमान चीफ जस्टिस खन्ना के बाद सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज हैं।24 नवंबर, 1960 को अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई को 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट के अडिशनल जज के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 12 नवंबर, 2005 को हाईकोर्ट के स्थायी जज बने। जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में कई संविधान पीठों का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं।

हुड्डा और वाड्रा को मुश्किलों में डालने वाले अशोक खेमका आज होंगे सेवानिवृत्त, ये 9 अधिकारी भी होंगे रिटायर

चंडीगढ़, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट और रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ के बीच वर्ष 2008 में हुए विवादित भूमि सौदे को उजागर करने वाले 1991 बैच के आइएएस अधिकारी डॉ. अशोक खेमका आज बुधवार को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। वर्तमान में कैबिनेट मंत्री अनिल विज के परिवहन विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर कार्यरत खेमका के सम्मान में आईएएस आफिसर एसोसिएशन ने शाम को विदाई पार्टी भी रखी है।बार-बार तबादलों और इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट से चर्चाओं में रहने वाले अशोक खेमका उस समय सबसे अधिक चर्चा में आए थे, जब उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार में चकबंदी निदेशक रहते हुए गुरुग्राम में डीएलएफ और राबर्ट वाड्रा के बीच हुए भूमि सौदे की म्युटेशन रद करने के आदेश दिए थे। इसके बाद से ही हुड्डा और वाड्रा की मुश्किलें शुरू हुई थी, जो अब भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे हैं। बीज घोटाला भी खेमका ने ही उजागर किया। प्रदेश के नौ आईएएस अधिकारी इसी साल में सेवानिवृत्त होंगे। इनमें मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी भी शामिल हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति 30 जून को होगी। विवेक जोशी के भारत का चुनाव आयुक्त बनने के बाद रस्तोगी को मुख्य सचिव बनाया गया था। विवेक जोशी ने समय से पहले सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली थी।

भिवानी के उपायुक्त महावीर कौशिक की सेवानिवृत्ति भी मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ ही 30 जून को होनी है। उनसे पहले 31 मई को ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक व विशेष सचिव जय कृष्ण आभीर सेवानिवृत्त जो जाएंगे। रजिस्ट्रार सहकारी समितियां राजेश जोगपाल 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे। जोगपाल खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निदेशक भी हैं। परिवहन विभाग के महानिदेशक सुजान सिंह 31 अक्तूबर को रिटायर होंगे।गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग की सेवानिवृत्ति 30 नवंबर को होगी। गुरुग्राम जिला के डीएमसी (जिला पालिका आयुक्त) की जिम्मेदारी भी अशोक कुमार गर्ग के पास ही है। गुरुग्राम के मंडलायुक्त रमेश चंद्र बिढ़ान की रिटायरमेंट 31 दिसंबर को होगी। उनके पास गुरुग्राम स्थित हिपा (हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन) के महानिदेशक का कार्यभार भी है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 172 आईएएस कार्यरत हैं। अनुराग रस्तोगी की रिटायरमेंट 30 जून को होने की वजह से मुख्य सचिव पद को लेकर लाबीइंग शुरू हो गई है।

वर्तमान में 1990 बैच के सुधीर राजपाल प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। फिलहाल वे स्वास्थ्य व आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। महिला एवं बाल विकास के अतिरिक्त मुख्य सचिव का जिम्मा भी उनके पास है। इसी बैच की आइएएस व प्रदेश की गृह सचिव डॉ. सुमिता वरिष्ठता में दूसरे नंबर पर हैं। इसी बैच के आईएएस और कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू का नाम भी सुधीर राजपाल और सुमिता मिश्रा की तरह मुख्य सचिव पद के लिए चर्चा में है।

दिल्ली में महिला ने फांसी लगाकर दी जान, मायकेवालों ने लगाए घरेलू हिंसा के इल्जाम

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में एक 27 वर्षीय महिला की लाश उसके घर में पंखे से लटकी हुई मिली। पुलिस के मुताबिक यह मामला खुदकुशी का बताया जा रहा है, लेकिन महिला के परिजनों ने घरेलू हिंसा का इल्जाम लगाया है। मृतका मध्य प्रदेश के कटनी जिले की रहने वाली थी। बीते 28 अप्रैल को वसंत कुंज साउथ थाने में पीसीआर कॉल के जरिए इस मामले की सूचना दी गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही एसएचओ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और महिला को फांसी पर लटका पाया। तुरंत क्राइम टीम को भी बुलाया गया ताकि मौके का मुआयना किया जा सके।महिला को तुरंत सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में

मामला आत्महत्या का लग रहा था, लेकिन असल हकीकत सामने तब आई जब मृतका का परिवार मध्य प्रदेश से दिल्ली पहुंचा। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ घरेलू हिंसा होती थी और यह मौत खुदकुशी नहीं बल्कि एक साजिश हो सकती है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उसकी जिंदगी में काफी तनाव था और वह लंबे समय से परेशान चल रही थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिवार के बयानों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2) और 85 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस अब पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। फिलहाल महिला के पति और ससुराल वालों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या थी या फिर इसमें कोई साजिश शामिल है।

श्री सांवलिया जी का अनोखा भक्त आया सामने चढ़ावे में दिया चांदी का डंपर, पोकलेन और चेन

उदयपुर। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया सेठ के दरबार में एक अनोखा और श्रद्धा से भरा चढ़ावा अर्पित किया गया। मध्यप्रदेश के धार जिले के कुक्षी कस्बे से आए एक व्यापारी भक्त ने नए वाहन खरीदने की खुशी में चांदी से बने 1 डंपर, 2 पोकलैन मशीनों और एक चेन का चढ़ावा अर्पित किया। यह सभी प्रतीकात्मक आइटम्स कुल 1595 ग्राम चांदी से बने हुए

हैं। भक्त ने हाल ही में व्यवसाय के लिए एक डंपर और दो पोकलेन मशीन खरीदी थीं। इस शुभ अवसर पर उन्होंने किसी मन्नत के तहत नहीं, बल्कि अपनी आस्था के भाव से यह चढ़ावा अर्पित किया। उनका मानना है कि उनके व्यवसाय की तरक्की में श्री सांवलिया सेठ का विशेष आशीर्वाद है। यही कारण है कि वे हर महीने परिवार सहित मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं और हर नए कार्य की शुरुआत प्रभु की शरण में जाकर करते हैं। सोमवार रात करीब 10.30 बजे जब यह भक्त चढ़ावा लेकर मंदिर पहुंचे, तो मंदिर मंडल के सदस्यों ने उनका स्वागत उपरना ओढ़ाकर किया और सांवरा सेठ का प्रसाद भेंट किया। इस दौरान मंदिर में मौजूद अन्य श्रद्धालुओं ने भी इस अनूठे चढ़ावे को देख भक्त की आस्था की सराहना की। श्री सांवलिया सेठ का यह धाम पूरे देशभर के भक्तों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां भक्त सोने-चांदी की वस्तुएं, मिठाइयों का भंडार और अन्य कई तरह के चढ़ावे अर्पित करते हैं।वर्ष 2025 में अब तक मंदिर का भंडार चार बार खुल चुका है। पहली बार 28 जनवरी को 22.96 करोड़ रुपए आए, दूसरी बार फूलडोल महोत्सव में 29.09 करोड़, तीसरी बार 28 मार्च को अमावस्या पर 4.87 करोड़ रुपए और चौथी बार 26 अप्रैल को दानपात्र खोला गया है, जिसकी गणना फिलहाल जारी है।

पहलगाम हमले पर टीचर का आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट हुआ वायरल, शिक्षा विभाग ने किया सस्पेंड

जोधपुर। राजस्थान के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडला खुर्द देचू फलोदी के अध्यापक लेवल 2 अम्बाराम मेघवाल को सोशल मीडिया पर पहलगाम घटना के संबंध में एवं अन्य आपत्तिजनक पोस्ट करने के कारण कार्मिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है । सरकारी शिक्षक अम्बाराम मेघवाल ने अपने वाट्सएप पर आतंकी हमले में मारे गए सैलानियों की जाति पूछकर गोली मारने के घटनाक्रम के बाद जाति पूछने की बजाए हिन्दू पूछकर गोली मारने और न्यूज चैनल पर इसे प्रचारित करने के तरीकों पर सवाल उठाते हुए सरकार से सीधे सवाल वाले स्टेट्स लगाए ।

दिल्ली एयरपोर्ट पर तेज हवा और मरम्मत ने बिगाड़ी फ्लाइट्स की टाइमिंग, 400 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित

नईदिल्ली, 30 अप्रैल [एजेंसी]।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उड़ानों में देरी की स्थिति बनी हुई है। एयरपोर्ट ऑपरेटर दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने मंगलवार को जानकारी दी कि हवाईअड्डे के आसपास हवा की दिशा में बदलाव की वजह से कुछ एयरलाइन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हाल के दिनों में पूर्वी दिशा से चलने वाली हवाओं और एक रनवे के अपग्रेडेशन कार्यों के चलते उड़ानों में देरी देखने को मिली है। मंगलवार को DIAL ने X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए बताया कि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) द्वारा फ्लाइट आगमन के लिए एयर ट्रैफिक फ्लो मैनेजमेंट उपाय 2030 बजे (भारतीय समयानुसार) से लेकर अगले दिन 0030 बजे तक लागू किए जाएंगे। ये उपाय अंतरराष्ट्रीय और नियामक मानकों के तहत यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए किए जाएंगे। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy डॉट कॉम के अनुसार मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब 400 उड़ानों में देरी हुई। वहीं नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि मंत्रालय एयरपोर्ट पर हो रही हर गतिविधि की करीबी निगरानी कर रहा है। रनवे की मरम्मत को लेकर कुछ हलकों से योजना पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस पर नायडू ने सोमवार को कहा, हम एयरपोर्ट पर हो रही हर प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। हमने बेहतर योजना सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। DIAL ने यह भी बताया कि 3,800 मीटर लंबा रनवे RW 10/28 फिलहाल उन्नयन कार्यों के लिए बंद किया गया था, लेकिन अब इसे अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। उम्मीद है कि यह रनवे मई की शुरुआत में दोबारा संचालन के लिए उपलब्ध होगा। इनमें RW 10/28 का एक हिस्सा CAT III मानकों पर खरा नहीं उतरता है, जो कि कम दृश्यता में विमानों की लैंडिंग के लिए ज़रूरी होता है। इसी कारण यह रनवे इस हफ्ते मेंटेनेंस के लिए बंद किया गया था।

भारत के साथ वार्ता में डील होने की उम्मीद, ट्रंप ने टैरिफ को लेकर किया ये इशारा, ऑटोमोबाइल निर्माताओं को छूट की उम्मीद

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत के साथ टैरिफ को लेकर चल रही चर्चा बेहतरीन ढंग से आगे बढ़ रही है और मुझे लगता है कि दोनों देश एक समझौते पर पहुंचेंगे। ट्रंप के इस बयान को वैश्विक व्यापार पर मंडराते खतरे के बीच भारत के लिए बेहतरीन अवसर के रूप में देखा जा रहा है।वहीं, घरेलू निर्माण पर मंडराते खतरे को देखते हुए ट्रंप मंगलवार को आटोमोबाइल और इसके कलपुर्जे के निर्माताओं को आयात करों में 25 प्रतिशत टैरिफ में से कुछ छूट दे सकते हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रंप इसके लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे।ऑटो निर्माताओं और निजी विश्लेषकों ने इशारा किया था कि इन टैरिफ से वैश्विक बाजार की तुलना में अमेरिका में दाम बढ़ सकते हैं, बिक्री घट सकती है और अमेरिका का उत्पादन कम हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि टैरिफ से छूट चीनी कलपुर्जों पर लागू नहीं होगी और यह पुराने टैरिफ से 145 प्रतिशत ज्यादा रहेगी।व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने कहा कि इसका लक्ष्य आटो निर्माताओं को ज्यादा घरेलू विनिर्माण रोजगार पैदा करने में सक्षम करना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने घरेलू और विदेशी आटो निर्माताओं के साथ बैठक की थी और वह आटो निर्माण को अमेरिका में वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बहुराष्ट्रीय ऑटो निर्माता स्टेलैंटिस के प्रमुख जान एल्कैन ने टैरिफ में छूट देने के राष्ट्रपति के फैसले का स्वागत किया है।भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद थानेदार ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए एक दस्तावेज पेश किया है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात, राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई- दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति- स्थानीय मुंडारी भाषा में दाशोंग का अर्थ होता है पानी का गिरना। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना- यह जलप्रपात एक पिनिक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य-जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग- रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए ह॥-33 (अब ह॥-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर)- इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी)- इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते

पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क- नि:शुल्क।

पार्किंग- पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ ?30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ- जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

कशिका कपूर ने अल्लू अर्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करने की जताई इच्छा

कशिका कपूर ने अल्लू अर्जुन-एटली प्रोजेक्ट का सपना देखा। अल्लू अर्जुन-एटली प्रोजेक्ट की घोषणा बहुत ही शानदार तरीके से की गई और इसमें सिल्वर स्क्रीन पर पहले कभी न देखी गई भारतीय झलक का वादा किया गया। इस बीच, एलवाईएफ (लव योर फादर) से टॉलीवुड में डेब्यू करने वाली कशिका कपूर ने पत्रकारों से बात करते हुए अल्लू अर्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करने की इच्छा जताई। कशिका ने कहा, अल्लू अर्जुन सर एक अद्भुत शख्सियत हैं, उनका करिश्मा, स्टाइल और अपने काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है। मैं हमेशा से उनकी इस बात की प्रशंसा करती रही हूं कि वे जिस तरह से हर किरदार को आसानी से अपना लेते हैं, उसमें ढल जाते हैं। किसी दिन उनके साथ स्क्रीन शेयर करना एक सपने के सच होने जैसा होगा। उनके द्वारा बनाए गए सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा बनने के विचार से ही मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं!

सीटेड लेग प्रेस को सही तरीके से करने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

सीटेड लेग प्रेस एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो निचले शरीर की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर जांघों, बटों और पिंडलियों पर काम करती है। सही तरीके से सीटेड लेग प्रेस करने से आपको अधिकतम लाभ मिल सकता है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस एक्सरसाइज को और भी प्रभावी बना सकते हैं।

मशीन पर सही पोजिशन बनाएं

सीटेड लेग प्रेस मशीन पर बैठते समय ध्यान रखें कि आपकी पीठ पूरी तरह से मशीन की पीठ सहारे पर होनी चाहिए।

पैरों को प्लेट पर इस तरह रखें कि घुटने सीधे हों और पंजे पूरी तरह से प्लेट पर टेढ़े रखें। इससे आपको बेहतर संतुलन मिलेगा और एक्सरसाइज करते समय कोई दिक्कत नहीं होगी।

इसके अलावा पैरों की स्थिति को ठीक से सेट करने से मांसपेशियों पर सही दबाव पड़ेगा और आपको अधिकतम लाभ मिलेगा।

वजन का चयन समझदारी से करें

शुरुआत में हल्के वजन का चयन करें ताकि आपकी

मांसपेशियां इसकी आदत डाल सकें।

धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं जब आपको एक्सरसाइज करने में सहजता महसूस होने लगे। इससे चोट लगने का खतरा कम होगा और आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी। ध्यान रखें कि वजन इतना न हो कि आप सही फॉर्म में न कर सकें। सही वजन चुनने से आप अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं और अपनी फिटनेस को बेहतर बना सकते हैं। धीरे-धीरे एक्सरसाइज करें

सीटेड लेग प्रेस करते समय गति पर खास ध्यान दें। इसे धीरे-धीरे ऊपर और नीचे करें ताकि मांसपेशियों पर लगातार दबाव बना रहे।

तेजी से करने पर चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है और मांसपेशियां पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाएंगी।

धीरे-धीरे ऊपर लाने और नीचे करने से न केवल आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे बल्कि आपकी मांसपेशियां भी मजबूत होंगी।

इसके अलावा यह तरीका आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाता है।

सांसों पर ध्यान दें

एक्सरसाइज करते समय सांसों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

ऊपर की ओर धकेलते समय सांस लें और नीचे लाते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी शारीरिक क्षमता बढ़ेगी और एक्सरसाइज का असर बेहतर होगा।

सही तरीके से सांस लेने से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी बल्कि आपकी सहनशक्ति भी बढ़ेगी।

इसके अलावा यह तरीका आपको अधिकतम लाभ प्रदान करेगा और एक्सरसाइज को और भी प्रभावी बनाएगा।

वार्म-अप और स्ट्रेचिंग करें

किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज से पहले वार्म-अप करना जरूरी है ताकि शरीर तैयार हो सके और चोट लगने का खतरा कम हो जाए।

इसके बाद एक्सरसाइज करने के बाद स्ट्रेचिंग करना न भूलें ताकि मांसपेशियां आराम करें और लचीलापन बना रहे।

वार्म-अप और स्ट्रेचिंग करने से न केवल आपकी एक्सरसाइज का प्रभाव बढ़ेगा बल्कि आपकी मांसपेशियां भी स्वस्थ रहेंगी। इससे आप अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

तरबूज खाने के बाद भूल से भी न खाएं ये चीजें, हो सकती हैं समस्याएं

गर्मियों में तरबूज खाना काफी अच्छा माना जाता है क्योंकि यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। हालांकि, तरबूज खाने के बाद कुछ खान-पान की चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि इनका इनसके साथ सेवन करने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

आइए आज हम आपको उन चीजों के बारे में बताते हैं, जिनके सेवन से तरबूज की तासीर में बदलाव आ सकता है।

तरबूज और नमक का मेल नहीं है अच्छा

तरबूज खाने के बाद नमक का सेवन नहीं करना चाहिए।

इसका कारण है कि नमक और तरबूज का एकसाथ सेवन करने से खून में सोडियम का स्तर बढ़ सकता है। इससे शरीर में पानी का स्तर भी बढ़ जाता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

बता दें कि शरीर को पर्याप्त पानी की मात्रा बनाए रखने के लिए सोडियम की जरूरत होती है, लेकिन सोडियम का अधिक स्तर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

तरबूज के बाद दही और छाछ न पिएं

तरबूज के बाद दही या छाछ का सेवन भी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन चीजों का सेवन करने से पाचन क्रिया पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इ

सके अतिरिक्त तरबूज खाने के बाद दही का सेवन करने से शरीर में कफ की समस्या हो सकती है।

इस समस्या के कारण सांस लेने में तकलीफ और छाती में जकड़न जैसी कई परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए तरबूज खाने के बाद दही या छाछ न पिएं।

तरबूज के बाद पानी भी है नुकसानदायक

तरबूज खाने के बाद पानी पीने से भी बचना चाहिए। हालांकि, तरबूज खाने से पहले या बीच में पानी पीने से कोई नुकसान नहीं है। इसका कारण है कि तरबूज में पहले से ही 90 प्रतिशत पानी होता है और इसे खाने के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन क्रिया पर दबाव पड़ता है, जिससे उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तरबूज खाने के कम से कम 1-2 घंटे बाद ही पानी पिएं। तरबूज के बाद ठंडी चीजें न खाएं- तरबूज खाने के बाद ठंडा पानी या ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम आदि खाने से भी बचना चाहिए।

दरअसल, ठंडे पानी या ठंडी चीजों का सेवन करने से तरबूज में मौजूद पोषक तत्वों का अवशोषण ठीक से नहीं हो पाता है।

इसके अतिरिक्त ठंडी चीजें खाने से गले में खराश की समस्या हो सकती है। अगर आपको तरबूज खाने के तुरंत बाद ठंडी चीजों का सेवन करना ही है तो तरबूज के बाद 1-2 घंटे का अंतर रखें।

तरबूज के बाद चाय या कॉफी न पिएं

तरबूज खाने के बाद चाय या कॉफी पीने से भी बचना चाहिए। हालांकि, आप चाहें तो तरबूज खाने से पहले या बीच में चाय या कॉफी पी सकते हैं।

दरअसल, तरबूज खाने के बाद चाय या कॉफी पीने से पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ सकता है।

खासतौर से अगर आप चाय या कॉफी में चीनी मिलाकर पीते हैं तो इससे गैस बनने लगती है।

नविना बोले ने व्हाइट बिकिनी में कराया हॉट फोटोशूट

टीवी और सोशल मीडिया की पॉपुलर एक्ट्रेस नविना बोले ने एक बार फिर अपने बोल्ड अवतार से फैंस को हैरान कर दिया है. नविना ने हाल ही में एक व्हाइट बिकिनी में ग्लैमरस फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. तस्वीरों में नविना बोले बीच वाइब्स को एंजॉय करती नजर आ रही हैं। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और स्टाइलिश व्हाइट बिकिनी में नविना का यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. तस्वीरों के साथ नविना ने कैप्शन में लिखा है - वर्तमान में हवाई में हार्लेज़ की सवारी कर रही हूँ ।

शब्द सामर्थ्य -033

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24. माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1. पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

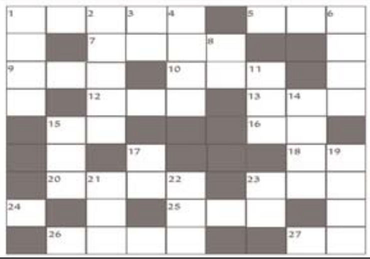

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 032 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

'आवा पानी झोंकी' अभियान बना जनआंदोलन ग्रामीणों ने जल संरक्षण के लिए लिया संकल्प

जिले में पीपल के नीचे लोटे से पानी डालकर दी गई भूजल संवर्धन की प्रेरणा

कोरिया बैकुंठपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप पानी बचाने के लिए चलाए जा रहे राज्यस्तरीय अभियान 'मोर गांव-मोर पानी' के तर्ज पर जल संरक्षण की दिशा में कोरिया जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ किया गया नवाचार 'आवा पानी झोंकी' अब जनभागीदारी का सशक्त प्रतीक बन चुका है।

हाल ही में ग्राम पंचायत जूनापारा में इस अभियान का आयोजन हुआ, जिसमें कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पीपल पेड़ के नीचे मिट्टी का घेरा बनाकर एक-एक लोटा पानी डालने की क्रिया के माध्यम से जल संवर्धन का संदेश दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि गिरता भूजल स्तर एक गंभीर संकट है और हमें वर्षा जल को रोककर उसे जमीन में पहुंचाने

के उपाय करने होंगे, जैसे वॉटर हार्वेस्टिंग और सोख्ता निर्माण। ग्रामीणों ने इस उपाय का सराहना करते हुए कहा कि गजब का मिसाल देखने को मिला। उन्होंने महिलाओं को जल संरक्षण में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया और युवाओं से कहा कि बेवजह बहते नलों को बंद करें और पानी का अपव्यय रोके। उन्होंने कहा, 'नारी और पानी का सदियों पुराना रिश्ता है, इसलिए जल बचाने की जिम्मेदारी भी उनकी सहभागिता से पूरी होगी।

कार्यक्रम में विशेष दृश्य तब देखने को मिला जब एक बुजुर्ग महिला ने अपने पोते को साथ लेकर जल संरक्षण का संकल्प लिया। बच्चों और छात्र-छात्राओं ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और संकल्प लिया 'पानी बचाएंगे, भविष्य सुरक्षित रखेंगे। आवा पानी झोंकी' अब केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जिले में जल संरक्षण की जनचेतना का रूप ले चुका है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य का आधार बनेगा।

मवेशियों से भरे पिकअप को पायलेटिंग कर ले जा रहा था कार सवार, दोनों को पुलिस ने पकड़ा

बलरामपुर। बलरामपुर कोतवाली पुलिस ने 28 अप्रैल की रात घेराबंदी कर मवेशी तस्करी में शामिल दो वाहनों को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य तस्कर फरार होने में कामयाब रहे। पकड़ा गया आरोपी कार चलाते हुए मवेशियों से भरे पिकअप वाहन को पायलेटिंग कर ले जा रहा था।

बलरामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक भापेंद्र साहू को 28 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि झारखंड के पशु तस्कर रात्रि में जिला सूरजपुर के प्रतापपुर क्षेत्र से पिकअप वाहन में गाय और बैलों को भरकर झारखंड ले जाने वाले हैं। इस पर पुलिस टीमें संभावित रास्ते पर तैनात थीं। इसी बीच देर रात लगभग 2 बजे एक कार थाना बलरामपुर के सामने लगे नाका पॉइंट में पहुची, जो पुलिस टीम को देखकर स्टॉपर को ठोकर मारकर रामानुजगंज की ओर भाग निकली। इसका नाकेबंदी में लगी टीम द्वारा पीछा किया गया। इसी दौरान उक्त कार के पीछे-पीछे आ रहा पिकअप वाहन भी पुलिस की उपस्थिति देखकर वापस अम्बिकापुर की ओर भागने लगा। इसका दूसरी पुलिस टीम द्वारा तत्काल पीछा किया गया। इसी दौरान पिकअप चालक अपना वाहन दलधोवा चौक से ग्राम तरकाखांड़ की ओर ले जाकर मंजुरमहुआ जंगल में पहाड़ी के नीचे उतारकर छिपा दिया, फिर भाग निकला। पीछे से पहुंची पुलिस टीम ने इस वाहन क्रमांक जेएच 19 डी 0833 को जब्त कर तलाशी ली तो 6 नग बैलों को रस्सी से बांधकर क्रूरतापूर्ण तरीके से ठूस-ठूस कर रखा गया था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी बैलों को सुरक्षित बाहर निकाला। कार्रवाई में थाना प्रभारी भापेंद्र साहू, किरणेश्वर सिंह, राधेश्याम विश्वकर्मा, सीपक शर्मा, नागेन्द्र पांडे, महेंद्र गुप्ता, सचिन्द्र सिंह, कुलदीप केरकेट्टा, फ्रांसिस लकड़ा, नगर सैनिक आनंद व बजरंग दल की स्थानीय इकाई के युवा सदस्य सक्रिय रहे। मवेशियों से भरे पिकअप वाहन को पायलेटिंग करते हुए ले जा रहे कार क्रमांक जेएच 01 एफजी 4436 को पुलिस टीम ने सेमली मोड़ जिला पंचायत के पीछे से चालक शमसेर आलम पिता मुश्ताक अंसारी 25 वर्ष निवासी ग्राम खपरा, थाना रंका जिला गढ़वा झारखंड सहित पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ में अन्य तस्करों के फरार हो जाने की जानकारी दी। इस पर पुलिस ने आरोपी शमसेर आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

बैकुंठपुर के खुटनपारा में लगा स्वास्थ्य शिविर घर-घर किया जा रहा है पीलिया का सर्वेक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। गर्मी के मौसम में बढ़ते संक्रमणों को देखते हुए पीलिया (जॉन्डिस) को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में सतर्कता बरती जा रही है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में जिले के नगरीय निकायों व ग्रामीण क्षेत्रों में पीलिया की रोकथाम और जागरूकता हेतु स्वास्थ्य शिविर और सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका बैकुंठपुर के खुटनपारा वार्ड में वार्ड पार्षद अनिल खटीक के सहयोग से पीलिया से बचाव हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान घर-घर जाकर सर्वे कार्य भी किया गया ताकि संक्रमण की पहचान समय रहते हो सके। पीलिया शरीर में बिलीरुबिन की मात्रा बढ़ने से होता है, जो कि लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने और लीवर की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी के कारण बनता है। इससे आंखों और त्वचा में पीलापन, भूख कम लगना, थकान, बुखार, पेट दर्द आदि लक्षण नजर आते हैं। प्रतिदिन कम से कम 8 गिलास पानी पिएं। स्वस्थ, साफ-सुथरा भोजन और उबालकर पीने योग्य पानी का सेवन करें। हाई फाइबर और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। शराब का सेवन न करें और हेपेटाइटिस के टीके लगवाएं। बोरिंग, नल, कुआँ व आरओ का पानी भी उबालकर पीने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे पीलिया के लक्षण नजर आने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें, समय पर इलाज से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, 3 की मौत

बलरामपुर। जिले के वाड्रफ्नगर क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना सामने आई है। बीती रात पेंडारी गांव में एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, जिसमें बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों युवक देर रात किसी आर्केस्ट्रा कार्यक्रम से लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि बाइक की गति तेज थी, और संतुलन बिगड़ने पर वह सीधा सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वाड्रफ्नगर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

विद्यार्थियों ने बौद्ध मंदिर का किया भ्रमण

सूरजपुर। शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर के माइक्रोबायोलॉजी के विद्यार्थियों ने मैनपाट में टाइगर प्वाइंट, जलजली और बौद्ध मंदिर के स्थलों का भ्रमण किया।

कलेक्टर ने शिविर पूर्व तैयारी के सम्बंध में दिए अधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर। जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने जिला कलेक्टरेट के सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आगामी 5 मई से शुरू हो रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित होने वाले समाधान शिविरों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने समाधान शिविर के पूर्व अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों के सम्बंध में विशेष निर्देश दिए हैं। क्लस्टर वार समाधान शिविर 5 मई से 31 मई तक चिन्हांकित ग्रामों, वार्डों में आयोजित किए जाएंगे, जहां आम नागरिकों की मौजूदगी में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा शिविर स्थल पर समस्याओं, शिकायतों, मांग से सम्बंधित आवेदनों पर त्वरित निर्णय भी लिया जाएगा।

इन शिविरों का आयोजन गांव के आम, पीपल, बरगद या नीम पेड़ के नीचे चौपाल की तर्ज पर किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने, अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी देने और प्रचार सामग्री जैसे

पम्पलेट, हैंडबिल, पुस्तिकाएं वितरित करने के निर्देश दिए हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए समाधान शिविर स्थल पर विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग, पीएचई और खाद्य विभाग को शिविर स्थल पर डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की टीम, प्राथमिक दवाइयों की व्यवस्था व शीतल पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। गर्मी और लू को देखते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से व्यक्तिगत स्तर पर भोजन, पानी और दवाई की व्यवस्था पहले से करने की अपील भी की गई।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि शिविर स्थल पर यदि मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक या वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचते हैं, तो उनसे संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ शिविर स्थल से ही वितरण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही यदि किसी स्थल पर लोकार्पण या भूमिपूजन कार्यक्रम होना है, तो उसकी जानकारी तत्काल जिला कार्यालय को भेजने को कहा गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व सुशासन तिहार के जिलास्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का त्वरित समाधान कर लाभार्थियों को इसकी जानकारी दी जाए। बैठक में अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, डी.डी. मंडावी, एसडीएम बैकुण्ठपुर श्रीमती दीपिका नेताम, एसडीएम सोनहत राकेश साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में राहत का ठिकाना बना स्काउट गाइड का प्याऊ घर

सूरजपुर। गर्मी के बढ़ते कहर से जहां आम जनजीवन बेहाल है, वहीं भारत स्काउट गाइड संगठन ने राहत पहुंचाने के लिए प्याऊ घर खोलने की सराहनीय पहल की है। गर्मी के मौसम को देखते हुए भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार एवं जिला आयुक्त मती भारती वर्मा के निर्देशन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी पदेन स्काउट कमिश्नर पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू के कुशल मार्गदर्शन में रामानुजनगर में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के पास प्याऊ घर की शुभारंभ अगरबत्ती जलाकर शशिनाथ तिवारी, बीईओ पंडित भारद्वाज, एबीईओ मनोज साहू, बैंक मैनेजर लालमन साहू, प्राचार्य हेम साय, शिव सिंह, साधना न्यूज प्रमुख ऋषि दुबे एवं स्काउट गाइड के द्वारा किया गया। गर्मी में पानी के लिए लोगों को यहां वहां भटकना न पड़े, इसके लिए अलग-अलग स्थान पर पानी की व्यवस्था की जा रही है। नगर में आवश्यक स्थानों पर स्काउट गाइड द्वारा प्याऊ घर बनाये जाने की योजना है। राज्य से स्काउट गाइड को इस सेवा को संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्काउट गाइड का उद्देश्य बचपन से ही विद्यार्थियों में समाज सेवा और राष्ट्र सेवा की भावना जगाना है, और यह प्याऊ व्यवस्था इस दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, इस पहल से लोगों को गर्मी में राहत मिलती है और स्काउट्स के सेवा कार्य को बढ़ावा मिलता है। स्काउट गाइड संगठन के ब्लॉक सचिव विजेन्द्र साहू ने बताया कि जरूरत मंद लोगों को सुविधा देना नेक का काम है। हमें जो दायित्व मिला हुआ है, उसका बेहतर तरीके से निर्वहन किया जाएगा। राहगीरों के लिए सर्व प्रथम ग्रामीण बैंक एवं बस स्टैण्ड रामानुजनगर में प्याऊ घर की शुरुआत की गई तथा आगे सेन्ट्रल बैंक एवं बाजार चौक में भी शुरू करने की योजना है। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर जाकिर हुसैन, नंद कुमार सिंह, योगेश साहू, कांत पांडेय, राजेश कुमार चौधरी, नितिन सिन्हा, गाइड प्रभारी मती धनसरी राजवाड़े, गुड्डी राही एवं स्काउट्स/गाइड्स उपस्थित थे।

हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाएं: कलेक्टर एस जयवर्धन

सूरजपुर। जिला कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा के मार्गदर्शन में एस ई सी एल के प्रोजेक्ट धड़कन एवं आर बी एस के, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ज़िला प्रशासन, सूरजपुर के सहयोग से सत्य साई संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर द्वारा एक दिवसीय बाल हृदय परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग के बाल संदर्भ कार्यक्रम के तहत बच्चों के स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमे सत्य साई हॉस्पिटल के बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य जांच क्यिा गया।

इस शिविर का अवलोकन करते हुए कलेक्टर जयवर्धन ने अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। दिनांक 30 अप्रैल को मंगल भवन, भैयाथान में भी यह शिविर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजित शिविर का लाभ लगभग जिले के लगभग 155 से अधिक परिवारों ने लिया। इनमें से 84 बच्चों का इकोकार्डियोग्राफी किया गया जिन्हें जन्मजात हृदय रोग संबंधी लक्षण, जैसे-साँस लेने में परेशानी, जल्दी थकान होना, उम्र के अनुसार वजन ना बढ़ना इत्यादि समस्याएं थी।

सत्य साईं हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ अनिल चौहान ने बताया कि जाँच के पश्चात लगभग 40 बच्चों को जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित पाया गया। जिनके उचित ईलाज हेतु उनके अभिभावकों को परामर्श दिया गया है। इसके अलावा बाल संदर्भ कार्यक्रम के तहत जिला हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टरो द्वारा कुल 71 गम्भीर कुपोषित बच्चों का भी स्वास्थ्य जांच किया गया। गौरतलब है कि कैम्प में चिह्नांकित एवं उपचार योग्य बच्चों का इलाज ज़िला प्रशासन एवं एसईसीएल के द्वारा सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल, छत्तीसगढ़ में पूर्णतः निःशुल्क कराया जाएगा। इस आयोजित शिविर में ग्राम उमेशपुर से अपने 13 वर्षीय बच्चे आदित्य को लेकर आई ज्योति ठाकुर ने जिला प्रशासन द्वारा एस ई सी एल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस तरह के सुविधा से गरीब और दूरदराज के परिवारों को बड़ी राहत मिलती है और आसानी से स्वास्थ्य सुविधा मिल जाती है । गरीब परिवारों को रायपुर स्थित हॉस्पिटल में भागदौड़ करना काफी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होते रहने चाहिए ताकि गरीब परिवारों की मदद हो सके। इसके अलावा ग्राम सोनपुर की संतोषी सिंह, सूरजपुर की सोनिया देवांगन और चंद्रपुर की चंद्रपति देवांगन ने भी इस आयोजित शिविर के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस शिविर में सिविल सर्जन सह ज़िला अस्पताल अधीक्षक डॉ अजय मरकाम,डॉ आर एस सिंह, डॉ राजेश पैकरा आर एम ओ, डॉ प्रियंक पटेल, डी पी एम डॉ प्रिंस जयसवाल, डॉ निखिल शुक्ला,अस्पताल सलाहकार निलेश गुप्ता, मती शुभम वास्तव, बायोमेडिकल इंजीनियर रवि साहू, व एसईसीएल से समस्त चिरायु टीम एवं महिला एवं बाल विकास की टीम उपस्थित थे।

अंजलि एक्का को जनदर्शन में मिला संबल त्वरित कार्यवाही से लौटा आत्मविश्वास

कोरिया बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आज एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब ग्राम फूलपुर की छात्रा अंजलि एक्का अपनी पढ़ाई से जुड़ी समस्या को लेकर कलेक्टर के समक्ष उपस्थित हुईं। छात्रा की बात को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने उसका आवेदन तत्काल संज्ञान में लिया और संबंधित शिक्षा अधिकारी को यथासंभव शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। प्रशासन की त्वरित कार्यवाही से भावुक हुई अंजलि ने कहा, मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि मेरी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी। अब मेरी पढ़ाई में कोई रुकावट नहीं आएगी। उन्होंने जिला प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह समर्थन उनके लिए नई ऊर्जा और आत्मविश्वास लेकर आया है। जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का सीधा समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता बनी हुई है। जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही ने आज एक और छात्रा के भविष्य को संबल प्रदान किया है।

जिला पंचायत सभाकक्ष में सामान्य सभा व सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का हुआ आयोजन

सूरजपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष मती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय सूरजपुर के सभाकक्ष में सामान्य सभा व सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष मती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने अपने संबोधन में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिले, इस पर सभी अधिकारियों को विशेष रूप से प्राथमिकता देने की बात भी कही।बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, 15 वें वित्त के कार्य, जल संधारण जैसे मूलभूत सुविधाओं को लेकर गहन चर्चा की गई। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा उपस्थित जन को जल शपथ भी दिलाया गया, जिसमें उपस्थित जनों को जल के बचाव व उसके विवेकपूर्ण उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में जिला प्रशासन के सर्व विभाग प्रमुख से, सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का औपचारिक रूप से परिचय कराया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा उनके विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं व उनके क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी उपस्थित सदस्यों को उपलब्ध कराई गई। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की संक्षेप में जानकारी दी गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्य योजनाओं के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। इसके साथ ही एजेंडा वार विभिन्न बिंदुओं पर क्रमवार चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ मती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का समापन किया गया। बैठक में प्रेम नगर विधायक भूलन सिंह मराबी,मती रेखा राजलाल राजवाड़े(जिला पंचायत उपाध्यक्ष),जनपद अध्यक्ष सूरजपुर मती स्वाति संत सिंह, मती योगेश्वरी लक्ष्मण राजवाड़े, मती कलेश्वरी लखन कुर्रे, नरेन्द्र यादव, मती किरण सिंह केराम,मती कुसुम सत्यनारायण सिंह, बाबूलाल सिंह मरापो, अखिलेश प्रताप सिंह, अनुज कुमार राजवाड़े, मती नयन विजय सिरदार, लवकेश रामसेवक पैकरा, सुरेश कुमार आयाम, मती हेमलता राजवाड़े, सु मोनिका सिंह अन्य जनप्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस के बीट सिस्टम में डीआईजी/एसएसपी ने सुधार किए, जो जवाबदारी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी की वही बीट क्षेत्र में रहेगी बीट प्रभारी की, पूरे जिले में बीट प्रणाली का नया सिस्टम लागू

सूरजपुर। बीट प्रणाली पुलिसिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण रणनीति है। बेसिक पुलिसिंग मजबूत करने के लिए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बीट सिस्टम में सुधार किए हैं। निरीक्षक, एसआई या एएसआई स्तर का अधिकारी बीट प्रभारी होगा और प्रधान आरक्षक, आरक्षक तथा सहयोगी नगर सैनिक सदस्य बीट अधिकारी होंगे।

अब तक बीट प्रभारी और पुलिसकर्मियों के पास उनकी बीट में होने वाले अपराधों की जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और रात्रि गश्त का काम था। नई व्यवस्था में जो जवाबदारी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी की है बीट क्षेत्र में बीट प्रभारी की होगी। बीट में रहने वालों से जनसंपर्क का काम करना होगा।डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने 28 अप्रैल 2025 को नई बीट व्यवस्था लागू करने पुलिस अधिकारियों एवं बीट प्रभारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए है। सोमवार से नया बीट सिस्टम लागू कर दिया गया है। जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों में 75 बीट बनाई हैं। उन्होंने बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस रेगुलेशन के पैरा के अनुसार कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों को विस्तार से बताया।उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कहा कि सभी बीट प्रभारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारी रखेंगे, आवश्यकता के अनुसार प्रत्येक थाना क्षेत्र में तीन से पांच बीटें गठित की हैं। बीट प्रभारी और अधिकारी दोनों अपनी पॉकेट डायरी में बीट की सेंसेटिव लोकेशन, बीट में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर, पुराने अपराधियों की गतिविधियों की जानकारी, स्थायी वारंटी तथा जिलाबदर आपराधिक तत्वों की जानकारी लिखेंगे। बीट में रहने वाले सामाजिक गतिविधि में सक्रिय लोगों और सूचना देने वालों से लगातार संपर्क में रहेंगे। बीट अधिकारी जानकारी से अपने प्रभारी को अवगत कराएंगे। बीट प्रभारी रोल कॉल में या व्यक्तिगत रूप से थाना प्रभारी को जानकारी देंगे। थाना प्रभारी आवश्यक कार्यवाही करेंगे। संबंधित एसडीओपी और वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग करेंगे। इस दौरान बीट सिस्टम के कार्य। डीआईजी व एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों व बीट प्रभारियों को कहा कि अवैध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और प्राथमिक जवाबदारी एरिया के बीट अधिकारी की होगी जो क्षेत्र में घूमकर एवं वाटसएप ग्रुप के माध्यम से जानकारी एकत्र करेगा और जनता के संपर्क में लगातार रहेगा। बीट अधिकारी से मिलने वाली जानकारी के बाद बीट प्रभारी की जवाबदारी होगी कि प्राप्त सूचना पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाए। बीट प्रभारी सप्ताह में कम से कम एक बार बीट का संपूर्ण भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि अब यह जिम्मेदारी तय कर दी है ताकि व्यवस्था मजबूत हो सके। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के निर्देश पर बीट प्रणाली को और सशक्त बनाने, प्रत्येक गांव मोहल्ले की छोटी-छोटी घटनाओं की जानकारी सहित महत्वपूर्ण विषयों तथा प्रत्येक गतिविधियों से अपडेट रहने, ग्रामीणों की समस्याओं को जानने एवं निराकरण करने, नागरिकों से सतत समन्वय एवं साइबर अपराध से बचाव कैसे की जाए इसे लेकर जिले के सभी थाना-चौकी क्षेत्र में बने बीट का वाटसएप ग्रुप बनाई जा चुकी है।

इस ग्रुप में प्रमुख रूप से आधुनिक दौर में किस प्रकार धोखेबाज कैसे किसी नागरिक को लालच का जाल बिछाकर धोखाधड़ी को अंजाम देता है, म्यूल अकाउंट क्या है और बचाव के क्या-क्या उपाए है इन जानकारियों को साझा की जा रही है।

नदियों के अस्तित्व पर ग्रहण लगाने की सौगंध ली रेत तस्करों ने

प्रशासनिक सुस्ती से तस्करों के हौसले बुलंद, पर्यावरण को भारी खतरा

नगर संवाददाता

कोरबा। सरकार भले ही बदल गई हो, लेकिन कोरबा जिले में रेत तस्करी का कारोबार उसी पुरानी ढर्रे पर जारी है, मानो सिस्टम अब भी पूर्ववर्ती शासन के प्रभाव में हो। जिले की प्रमुख नदियों—हसदेव, अहिरन, तान और सोन—से प्रतिदिन अवैध रूप से लाखों घन मीटर रेत का दोहन हो रहा है। इस अनियंत्रित तस्करी से न सिर्फ नदियों का स्वरूप विकृत हो रहा है, बल्कि भू-जल स्तर में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रेत तस्करी के इस रैकेट को अंजाम देने के लिए चैन माउंटेन, हाईवे ट्रैक्टर और बड़ी संख्या में मजदूरों का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में माइनिंग डिपार्टमेंट द्वारा वैध रेत खनन की अनुमति दी गई है, लेकिन अधिकतर स्थानों पर यह गतिविधि पूरी तरह अवैध रूप से संचालित की जा रही है।

शहर की मुख्य सड़कों पर भारी रेत लदे ट्रकों का आवागमन आम हो गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय प्रशासन और माफिया के बीच मजबूत सांठगांठ है। यह अवैध कारोबार न केवल पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ रहा है, बल्कि सरकार को रॉयल्टी के रूप में मिलने वाली भारी राजस्व हानि भी हो रही है।

चौंकाने वाली बात यह है कि जहाँ रायपुर समेत राज्य के अन्य जिलों में रेत खनन को लेकर कड़े कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं कोरबा अब भी इस दिशा में बेहद पीछे नजर आता है। हाल ही में सरकार ने रेत चोरी के मामलों में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कोरबा में अब तक इस आदेश पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखी है। लोहों में इस अवैध रेत खनन को लेकर भारी नाराज़गी है। उनका कहना है कि यदि यह स्थिति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में नदियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी और जल संकट की स्थिति और विकराल हो सकती है।

यह निगम की सड़क है या कबाड़ी की जागीर

कोरबा। नगर पालिका निगम कोरबा क्षेत्र की सड़क बेशक लोगों के और वाहनों के चलने के लिए हैं, ऐसा हर कोई मानता है। लेकिन क्या सड़कों पर कबाड़ की ठुकाई पिटाई करने के साथ नया लुक दिया जा सकता है। निश्चित रूप से इसका उत्तर ना ही होगा। लेकिन कोरबा के राताखार बायपास रोड पर ऐसा हो रहा है। इस तरह के कारनामों को करने वालों को अंदाज ऐसा है मानो सड़क उस्की जागीर हो।

कोरबा के राताखर बायपास रोड पर अवैध रूप से कबॉडी के द्वारा की जा रही कोशिशें को देखकर ऐसा लगता है मानो एक्शन लेने वाली एजेंसी खामोश है। खबर के मुताबिक सड़क के किनारे कबाड़ी का यह अड्डा संचालित हो रहा है। अब तक तक केवल यही हो रहा था लेकिन अब नई खबर यह है कि उसके द्वारा स्क्रैप को सड़क पर रखने के साथ इसकी ठुकाई पिटाई की जा रही है। ऐसा करने से सड़क की मजबूती पर असर हो रहा है और इस वजह से लोग सवाल खड़े कर रहे हैं की किसकी अनुमति से यह सब हो रहा है।

प्रशासन, नगर निगम और पुलिस ने हाल में ही मिलकर झगरहा और अमराइयाँ बायपास इलाके में संचालित ऐसे दो कबाड़ के ठिकानों पर कार्रवाई की। सड़क को घेर कर इनके द्वारा व्यवसाय चलाए जा रहा था और सरकारी जमीन को भी कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। व्यवसाय के तौर तरीके के कारण आवागमन में समस्याएं पैदा हो रही थी और आसपास के लोगों ने इसका विरोध किया था इसके बाद प्रशासन ने यहां पहुंचकर कार्रवाई की इसके माध्यम से दिखाने की कोशिश की गई थी जो कुछ भी अवैध तरीके से संचालित होगा, उस पर कार्रवाई होगी।

नव पदस्थ डीएफओ ने कार्यभार संभाला

कोरबा। वनमंडल कोरबा में नवपदस्थ वन मंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने आज डिविजन आफिस पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने पदभार अरविंद पीएम से ग्रहण किया, जिनका तबादला रायगढ़ हो गया है। श्री अग्रवाल 2016 बेच के आईएफएस अफसर हैं, इससे पहले वे बलौदा बाजार में पदस्थ थे। यहां पहुंचने पर एसडीओ के अलावा रेंज आफिसरों एवं स्टाफ ने उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद श्री अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली और उनसे परिचायत्मक चर्चा करने के बाद कामकाज के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए

यहां वहां दिख रहे मनोरोगी आखिर ये हैं कहां से

कोरबा। पावर सिटी कोरबा में पिछले कुछ दिनों से लोगों ने गौर किया है कि मनोरोगियों की संख्या अचानक से बढ़ गई है। अलग-अलग सड़कों पर उनकी उपस्थिति परेशान भी करती है और चिंतित भी । इन सब के बीच सवाल यही है कि इसी वजह क्या हो सकती है और समाधान के लिए क्या किया जाए।

यह जरूर है कि बंगाल की खाड़ी में बने नए सिस्टम के कारण दो दिन तक हुई बारिश से कोरबा के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज हुई है। ऐसे में हर कोई राहत महसूस कर रहा है दूसरी ओर कोरबा क्षेत्र में यहां वहां अजीबोगरीब हरकत करने वाले मानसिक बीमार की संख्या में बढ़ोतरी को साफ देखा जा रहा है। उनकी हालत ऐसी है कि ना तो आप उनसे कुछ पूछ सकते हैं और ना कुछ जान सकते हैं।

हालांकि कुछ मामलों में पुलिस संज्ञान लेने के साथ ऐसे प्रकरणों को आगे बढ़ती है और फिर कोर्ट के आदेश पर ऐसे मानसिक मरीजों को सेनदरी भेजने की कार्रवाई करती है। एक दूसरा विकल्प पड़ोसी झारखंड के रांची में भी है। वहां के लिए कोरबा से पर्याप्त बसे हैं। कुछ जानकार ऐसा बताते हैं कि लंबी दूरी की चलने वाली ट्रेनों से मानसिक बीमार की पहुंच यहां तक होती है और फिर इन्हें वापस भेजने में उतनी रुचि नहीं ली जाती जितना की होना चाहिए। इन सब कारणों से स्थानीय लोगों की परेशानी भी बढ़ रही है और सरकारी अमले के सामने चुनौतियां।

अक्षय तृतीया पर पूजा अर्चना, बाजार में रौनक

कोरबा। कोरबा नगर और आसपास के इलाके में अक्षय तृतीया पर आज परंपरा के अंतर्गत पूजा अर्चना की गई। गुड्डे गुड़ियों का विवाह रचाया गया। सरकारी अमला इस निगरानी में जुटा रहा की कही बाल विवाह तो नहीं हो रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि अक्षय तृतीया को जो सामग्री खरीदी जाती है वह अक्षय फल देने वाली होती है इसलिए कपड़ा ,बर्तन से लेकर सर्राफा मार्केट में काफी अच्छी रौनक देखी गई। जबकि आज ही मिट्टी के मटकों की खरीदारी करते हुए लोग नजर आए। कोरबा के बुधवारी बाजार शेड में तमाम तरह के प्रतिबंधों के बावजूद प्रजापति समुदाय ने आज पूरे मन से अपना व्यापार किया। उन्हें इससे पहले इस इलाके में परेशानियां आयीं।

नहर की हालत से लोगों में डर

कोरबा। शहर को दो हिस्से में बांटने वाली बाई तट नहर की हालत जीर्ण शीर्ण हो चुकी है।नहर की हालत देख कर किनारे बसी बस्ती के लोग भयभीत हैं। लोगों का कथन है कि यदि नहर की मजबूती से मरम्मत नहीं की गई तो एक बार फिर नहर टूटेगी और लोगों के जीवन को खतरे में डाल देगी ।

जल संसाधन विभाग यानी सिंचाई विभाग द्वारा हसदेव बाई तट नहर का निर्माण कोरबा शहर के मध्य से किया गया। लगभग साढे तीन दशक पूर्व निर्मित इस नहर की हालत अत्यंत जर्जर हो चुकी है। लाइनिंग टूट चुकी है ,तटबंध भी जर्जर हो गए हैं। नहर की दुर्दशा देख इसके किनारे बसी बस्तियों के लोग भयभीत हैं। उनका कथन है की अगली बारिश में यह नहर निश्चित ही टूटेगी और लोगों का जीवन खतरे में डाल देगी। पिछले वर्ष भी इमली डुग्गू में नहर का एक हिस्सा टूट गया था वह तो ईश्वर की कृपा रही की नहर दिन में टूटी यदि रात में टूटी होती तो 40 से 50 लोगों की जल समाधि हो सकती थी। पूर्व पार्षद सफल दास महंत ने कहा है कि यदि सिंचाई विभाग ने ध्यान नहीं दिया और नहर टूट गई तो फिर विभाग वालों की खैर नहीं होगी । शहर के मध्य से निकली नहर पड़ोसी जिलों के किसानों के लिए तो वरदान साबित होती है लेकिन कोरबा शहर के लोग इस नहर के कारण अक्सर अपने परिवार के किसी ने किसी सदस्य को खो देते हैं। नहर के टूटे हिस्से जब पानी में डूब जाते हैं तो उसमें नहाने उतारे लोगों का पांव फस जाता है और वह डूब कर अपने प्राण गवा देते हैं। इस दिशा में राज्य सरकार जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए

मानिकपुर से सीजीएम कार्यालय तक सड़क बनाने की मांग

कोरबा। मानिकपुर से लेकर सीजीएम कार्यालय तक सड़क बनाने की मांग श्रमिक संगठनों द्वारा लगातार की जा रही है। आने वाले दिनों में प्रबंधन इस मामले पर ठोस निर्णय लेगी।

3.59 एकड़ जमीन का बंटवारा नहीं हुआ तो मार डाला बड़ी मां को

खूंटाकूडा बेलभाटा में हुई घटना, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जर ,जोरू और जमीन के लिए लंबे समय से न केवल विवाद होते रहे हैं बल्कि लोगों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है अपनी जान देकर। कोरबा जिले के खुटाकूड़ा बेलभाटा में ऐसे ही एक घटना में 26 वर्षी युवक ने अपनी बड़ी मां की हमला कर जान ले ली। मामला जमीन विवाद का था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोरबा जिले के करतला पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत खूंटाकूड़ा गांव आता है जहां पर यह घटना हुई।

60 वर्ष की जानकुंवर पति इतवार सिंह के प्राण उसके पुत्र समान प्रेम सिंह 26 वर्ष ने ले लिए। करतला पुलिस थाना प्रभारी केके वर्मा ने बताया कि पूरा घटनाक्रम जमीन से जुड़े विवाद को लेकर था। मृतका के पति सहित 5 भाई है। उनके पास कुल 3 एकड़ 59 डिसमिल जमीन है। इसके बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद की स्थिति बनी हुई थी और लगातार इसी बात पर फोकस किया जा रहा था कि जितनी जल्द हो सके, इसका बंटवारा कर दिया जाए।

किन्हीं कारणों से या मामला अटका हुआ था। खबर के अनुसार मंगलवार को जमीन बंटवारा का विषय एक बार फिर से सामने आया। इसको लेकर बहस बाजी शुरू हो गई। बताया गया कि इस दौरान जान कुंवर सामने आ गई तो आरोपी प्रेम सिंह ने लाठी से उसके सिर और चेहरे पर जमकर हमला कर दिया। हमला इस कदर था कि मौके पर ही महिला गिर पड़ी और उसकी वहीं पर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि डायल 112 को सूचना देने के बाद अगली कार्रवाई की गई। इस सिलसिले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण में परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

चोटिया क्षेत्र में बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी से बढ़ी परेशानी

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज अंतर्गत चोटिया क्षेत्र में 40 की संख्या में हाथी मौजूद हैं। बड़ी संख्या में हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने और विचरण करने से जहां ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग भी सतर्कता बरतते हुए हाथियों की निगरानी में जुट गया है। हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्र में स्थित गांव के लोगों को बड़ी संख्या में हाथियों की आने की जानकारी देने के साथ ही उन्हें सावधानी बरतने को कहा जा रहा है। याद रहे हाथियों ने केंदई वन परिक्षेत्र को अपना बसेरा बना लिया है। यहां हाथियों का दल अधिकांश समय सक्रिय रहता है। बीच-बीच में वह पड़ोस में स्थित पसान एतमा नगर तथा जटगा रेंज पहुंच जाता है, लेकिन एक-दो दिन वहां भ्रमण करने के बाद पुनः वापस लौटकर केंदई रेंज में डेरा डाल देता है। जिससे वन विभाग की दिक्कतें बढ़ जाती है। विभागीय कामकाज को छोड़कर अमला हाथियों की निगरानी में जुट जाता है और कामकाज प्रभावित होता है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com